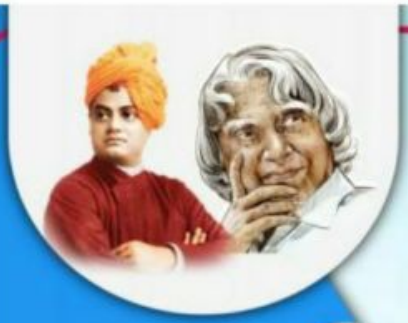

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक

प्राथमिक स्तर

विषय- हिन्दी भाषा

आओ हाथ से हाथ मिलाएं बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं।

9458278429

1

संज्ञा

किसी भी व्यक्ति, वस्तु, स्थान ,गुण, भाव, स्थिति व समूह का परिचय कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं, जैसे -राम, मनुष्य,आगरा,चाँदी,यौवन सेना आदि।

संज्ञा के भेद

व्यक्तिवाचक संज्ञा	वे शब्द जो किसी विशेष व्यक्ति, विशेष वस्तु, विशेष स्थान या विशेष प्राणी के नाम का बोध कराते हैं, व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।जैसे- जवाहरलाल नेहरू, कमला नेहरू ।
जातिवाचक संज्ञा	वे शब्द जो किसी प्राणी, पदार्थ या समुदाय की पूरी जाति का बोध कराते हैं, जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।जैसे - मनुष्य, नर, नारी ।
भाववाचक संज्ञा	वे शब्द जिनसे किसी व्यक्ति अथवा वस्तु के गुण-धर्म, दोष, शील, स्वभाव आदि का बोध होता है, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे-बचपन, सुन्दरता, निन्दा, निराशा।
द्रव्यवाचक संज्ञा	राशि या ढेर के रूप में पाई जाने वाली वस्तुओं का बोध कराने वाले शब्द द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे- सोना, पानी, घी।
समूहवाचक संज्ञा	वे शब्द जो एक के स्थान पर समूह या समुदाय का बोध कराते हैं, समूहवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे- परिवार, भीड़, पुलिस।

अनुच्छेद

"हम आदिवासियों के लिए जंगल ही सब कुछ है। हम एक दिन भी जंगल से दूर नहीं रह सकते। तरक्की के नाम पर जंगल में सरकार द्वारा बहुत से प्रोजेक्ट्स चलाए जा रहे हैं, कहीं बाँध बन रहे हैं, तो कहीं फैक्टरी। जंगल जिस पर हमारा अधिकार है, हमसे छीना जा रहा है। इन प्रोजेक्ट्स के चलते यह सोचने की जरूरत है कि हम आदिवासी कहाँ जाएँगे और रोजी-रोटी का क्या होगा? इन जंगलों में रहने वाले लाखों जानवर कहाँ जाएँगे? अगर जंगल न रहे, खानों में से एल्युमीनियम जैसे खनिज निकाल कर जमीन को खोखला कर दें, तो बचेगा क्या? सिर्फ दूषित हवा और पानी, और मीलों दूर तक फैली बंजर जमीन।

अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए–

प्रश्न:1 आदिवासी लोग कहाँ रहते हैं?
(A) नगरों में
(B) गाँवों में
(C) जंगलों में
(D) अधिक आबादी वाली जगहों पर

प्रश्न:2 तरक्की के नाम पर जंगलों में क्या किया जा रहा है?
(A) फैक्टरी, बाँध आदि बनाए जा रहे हैं।
(B) पशुओं को छोड़ा जा रहा है।
(C) पेड़ पौधे और अधिक उगाए जा रहे हैं।
(D) फसलें बोई जा रही हैं।

प्रश्न:3 किन लोगों से जंगलों को छीना जा रहा है?
(A) आदिवासियों एवं जानवरों से
(B) नगर के लोगों से
(C) ग्रामीण लोगों से
(D) औद्योगिक नगरों से

प्रश्न:4 एल्युमीनियम को कहाँ से निकाला जाता है?
(A) खानों से
(B) समुद्र से
(C) पर्वतों से
(D) नहरों से

सर्वनाम- वे शब्द, जो संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे-तुम, वह, उसका, कौन आदि।

सर्वनाम के भेद

- पुरूषवाचक सर्वनाम
  - वह सर्वनाम जिससे पुरुष का बोध होता है। जैसे -मैं,हम, तुम, वे।
- निश्चयवाचक सर्वनाम
  - वह सर्वनाम जिससे किसी निश्चित संज्ञा का बोध होता है। जैसे- यह, वह, उसे।
- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
  - वह सर्वनाम जिसका प्रयोग किसी अनिश्चित संज्ञा के लिए होता है। जैसे- कोइ,कुछ, किसी से।
- प्रश्नवाचक सर्वनाम
  - वह सर्वनाम जिससे प्रश्न का बोध होता है। जैसे- क्या, कौन, किसे।
- सम्बन्धवाचक सर्वनाम
  - वह सर्वनाम जिसका सम्बन्ध किसी संज्ञा या दूसरे सर्वनाम से होता है। जैसे - जो ,सो,जिसे।
- निजवाचक सर्वनाम
  - वह सर्वनाम जिससे निजता का बोध होता है।जैसे- स्वयं, अपने आप ,मुझको, तुमको।

अनुच्छेद - 02

महात्मा बुद्ध क्षत्रिय थे तथा 'शाक्य' नामक एक छोटे से गण से सम्बन्धित थे। युवावस्था में ही ज्ञान की खोज में उन्होंने घर के सुखों को छोड़ दिया। अनेक वर्षों तक वे भ्रमण करते रहे तथा अन्य लोगों से मिलकर चर्चा करते रहे। अन्ततः ज्ञान प्राप्ति के लिए उन्होंने स्वयं ही रास्ता ढूँढने का निश्चय किया। इसके लिए उन्होंने बोधगया (बिहार) में एक पीपल के नीचे कई दिनों तक तपस्या की। अन्ततः उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ। इसके बाद से वे बुद्ध के रूप में जाने गये। यहाँ से वह वाराणसी के निकट स्थित सारनाथ गये, जहाँ उन्होंने पहली बार उपदेश दिया। कुशीनगर में मृत्यु से पहले का शेष जीवन उन्होंने पैदल ही एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करने और लोगों को शिक्षा देने में व्यतीत किया।

प्रश्न-अभ्यास

1. महात्मा बुद्ध ने किस वृक्ष के नीचे बैठकर तपस्या की थी ?
(1) आम (2) बरगद (3) अशोक (4) पीपल
2. बोधगया कहाँ स्थित है?
(1) पश्चिम बंग (2) छत्तीसगढ़
(3) बिहार (4) झारखण्ड
3. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश कहाँ दिया?
(1) सारनाथ में (2) बोधगया मे
(3) पावापुरी में (4) पटना में
4. महात्मा बुद्ध की मृत्यु कहाँ हुई?
(1) सारनाथ में (2) राजगृह में
(3) पाटलिपुत्र में (4) कुशीनगर मे
5. मृत्यु से कुछ दिन पहले महात्मा बुद्ध एक स्थान से दूसरे स्थान के लिए गये-
(1) पैदल (2) रथ द्वारा
(3) पालकी से (4) अपने भिक्षुओं के कन्धों पर

क्रिया - वे शब्द, जिनसे किसी कार्य के करने अथवा होने की स्थिति का बोध होता है, क्रिया कहलाते हैं। जैसे- जाना, पीना, खेलना, रोना आदि।

क्रिया दो प्रकार की होती है :- 1. अकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया

1- अकर्मक क्रिया- जिस क्रिया के कार्य का फल कर्ता पर पड़े, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं- जैसे:- (i) श्याम हँस रहा है। (ii) मोहन सो रहा है।

2- सकर्मक क्रिया- इस क्रिया के कार्य का फल कर्ता पर न पड़कर वाक्य के अन्य भाग पर पड़ता है- जैसे:- (i) धोबी कपड़े धोता है। (ii) राधा आगरा जाती है।

कर्म के आधार पर क्रिया के भेद बताएँ -			क्रिया भरें-
1- माली फूलों को तोड़ रहा है-	(1)सकर्मक	(2)अकर्मक	(1) रमा किताब.....है।
2- राम ज़ोर से हंस रहा है-	(1)अकर्मक	(2)सकर्मक	(2) चिड़िया पेड़ पर.....है।
3- तालाब में मछली तैर रही है-	(1)अकर्मक	(2) सकर्मक	(3) मोर.....रहा है।
4- अम्मा रामायण पढ़ रहीं हैं-	(1)अकर्मक	(2) सकर्मक	(4) मोहन ढोल.....रहा है।
5- माँ बच्चे को झूला झुलाती है -	(1)सकर्मक	(2) अकर्मक	(5)रीता खाना.....रही है।

अनुच्छेद - 03

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर का जन्म बंगाल के मेदिनीपुर जिले के वीरसिंह गाँव में एक अति निर्धन ब्राम्हण परिवार में हुआ था।पिता का नाम ठाकुरदास वन्द्योपाध्याय था। तीक्ष्णबुद्धि पुत्र को गरीब पिता ने विद्या के प्रति रुचि ही विरासत में प्रदान की थी। नौ वर्ष की अवस्था में बालक ने पिता के साथ पैदल कोलकाता जाकर संस्कृत कालेज में विद्यारम्भ किया। शारीरिक अस्वस्थता, घोर आर्थिक कष्ट तथा गृहकार्य के बावजूद ईश्वरचंद्र ने प्राय: प्रत्येक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। १८४१ में विद्यासमाप्ति पर फोर्ट विलियम कालेज में पचास रुपए मासिक पर मुख्य पण्डित पद पर नियुक्ति मिली। तभी 'विद्यासागर' उपाधि से विभूषित हुए। लोकमत ने 'दानवीर सागर' का सम्बोधन दिया। १८४६ में संस्कृत कालेज में सहकारी सम्पादक नियुक्त हुए, किन्तु मतभेद पर त्यागपत्र दे दिया। १८५१ में उक्त कालेज में मुख्याध्यक्ष बने। १८५५ में असिस्टेंट इंस्पेक्टर, फिर पाँच सौ रुपए मासिक पर स्पेशल इंस्पेक्टर नियुक्त हुए। १८५८ ई. में मतभेद होने पर फिर त्यागपत्र दे दिया। फिर साहित्य तथा समाजसेवा में लगे। १८८० ई. में सी.आई.ई. का सम्मान मिला।

उपरोक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर के पिता का क्या नाम था ?
(1) मोहनलाल चटर्जी (2) बृजलाल भारती
(3) रामसेवक (4) वन्द्योपाध्याय

2. ईश्वरचंद्र विद्यासागर का जन्म किस जिले में हुआ था ?
(1) प्रयागराज (2) रायपुर
(3) मेदिनीपुर (4) पटना

3. ईश्वरचंद्र विद्यासागर के पढ़ाई की शुरुआत कहाँ से हुई ?
(1)कोलकाता (2) बिहार
(3) मेदिनीपुर (4) गोवा

4. विद्यासागर ने सहकारी सम्पादक के पद से त्यागपत्र किसके कारण दिये ?
(1)खुशी के (2)मतभेद के
(3)थकान के (4)डर के

5. ईश्वरचंद्र विद्यासागर को सी.आई.ई. का सम्मान किस सन् में मिला ?
(1)19875 ई. (2)1934 ई.
(3)1880 ई. (4)1888 ई.

4

विशेषण- जो शब्द किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे विशेषण कहते है। -जैसे- सफेद, अच्छा, सुंदर, मोटा आदि।

विशेषण के भेद

(1) गुणवाचक विशेषण- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, दशा, भाव, रंग, आकार, समय, स्थान आदि की विशेषता बताते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- गर्म, आजाद, ऊँचे, गोल, आदि। (1) चाय गर्म है। (2) भारत आजाद है। (3) पहाड़ ऊँचे हैं। (4) पहिया गोल है।

(2) परिमाणवाचक विशेषण- जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा, नाप-तोल आदि का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- दो किलो, चार मीटर, आधा लीटर, पूरा आदि। (1) बाबा दो किलो आलू लाये। (2) मेरे पास चार मीटर रस्सी है। (3) चाचा आधा लीटर दूध लाये। (4) विद्यालय में पूरा हरा भरा हैं।

(3)संख्यावाचक विशेषण- जो शब्द वाक्य में उपस्थित संज्ञा या सर्वनाम संख्याओं का बोध कराते हैं, उन शब्दों को संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- तीन, दो, आठ, पाँच आदि। (1) कार में तीन व्यक्ति हैं। (2) खेत में दो बैल हैं। (3) सड़क पर आठ कार हैं। (4) विद्यालय में पाँच अध्यापक हैं।

(4) सार्वनामिक/संकेतवाचक विशेषण- जो सर्वनाम शब्द किसी संज्ञा के पहले जुड़कर उसकी ओर संकेत करते हैं, उसे सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- ये, यह, वो, मेरी, आदि। (1) ये मेरी साईकिल है। (2) यह कुत्ता भौंकता है। (3) वो मेरा खेत है। (4) मेरी बहन घर आई।

अनुच्छेद - 04

एक शेर अपनी गुफा में लेटा था। उसने भोजन में बड़ा शिकार कर लिया था और उसे नींद आ रही थी। थोड़ी देर में वह सो गया। एक छोटा चूहा भागता हुआ गुफा में पहुँचा और इधर-उधर दौड़ता रहा था। वह कुछ खाना ढूँढ़ रहा था। उसने शेर को देखा और उसकी पूँछ से खेलने लगा। वह शेर की पीठ पर दौड़ने लगा।अचानक शेर जाग गया। उसने अपने को झटका और छोटे चूहे को देखा और कहा- "तुम मेरी पीठ पर कूद रहे थे। तुमने मेरी पूँछ से खेला और मेरे कान खींचे। अब मुझे बहुत क्रोध आ रहा है। मैं तुम्हें खाने वाला हूँ।" शेर ने चूहे को अपने बड़े पंजों में उठा लिया। चूहा बोला,"नहीं, श्रीमान शेरजी, मुझे मत खाइए, एक दिन मैं आपकी मदद करूँगा।" शेर ने कहा, "यह बात बड़ी मज़ेदार है, एक छोटा-सा चूहा बड़े शेर की मदद नहीं कर सकता, फिर भी तुम भाग जाओ। आज मुझे भूख नहीं है।" अगले दिन चूहे ने शेर को देखा। वह एक शिकारी के जाल में फँसा था। चूहा दौड़कर शेर के पास पहुँचा। "मैं आपकी मदद करूँगा", उसने कहा।पूरी रात चूहे ने जाल को काटा और उसमें बड़ा सा छेद कर दिया। शेर बाहर निकल आया। उसने कहा, "धन्यवाद मेरे मित्र,अब मैं समझ गया हूँ कि यदि कोई छोटा और कमजोर भी हो, तो भी वह किसी बड़े और बलवान की मदद कर सकता है।"

उपरोक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

प्रश्न:1- शेर ने क्यों कहा, "यह बात बड़ी मज़ेदार है?"
(अ) उसने सोचा कि छोटा चूहा उसकी मदद नहीं कर सकता।
(ब) उसने सोचा कि चूहा बड़ा मज़ेदार है।
(स) उसने सोचा कि चूहा मज़ेदार कहानी सुना रहा है।
(द) उसने सोचा कि चूहा कुछ मज़ेदार काम कर रहा है।

प्रश्न:2-इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?
(अ) चूहे हमेशा शेर की मदद करते हैं।
(ब) यदि चूहे जाल काटें, तो शिकारी चूहे को पकड़ सकते हैं।
(स) शिकारी चूहे की दोस्ती वाले शेर को नहीं पकड़ सकते।
(द) छोटे और कमज़ोर भी बड़े और बलवानों की मदद कर सकते हैं।

प्रश्न:-3- शेर को नींद क्यों आ रही थी ?
(अ) उसने लम्बी सैर की थी। (ब) उसने बहुत खाना खा लिया था।
(स) रात काफी हो गई थी। (द) वह बहुत थक गया था।

प्रश्न:-4- चूहा इधर-उधर क्यों दौड़ रहा था ?
(अ) खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था। (ब) खेलना चाहता था।
(स) शेर की रखवाली कर रहा था। (द) छिपने की जगह ढूँढ़ रहा था।

प्रश्न:-5- चूहे ने जब शेर को देखा तो क्या किया ?
(अ) डरकर भाग गया । (ब) शेर की पूँछ से खेलने लगा।
(स) जोर से चूँ-चूँ करने लगा। (द) शेर का कान कुतरने लगा।

5

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक

प्राथमिक स्तर मिशन शिक्षण संवाद **क्रमांक – 005** **विषय – हिन्दी** **टॉपिक – क्रिया विशेषण, अनुच्छेद**

क्रिया विशेषण- वे शब्द जो हमें क्रियाओं की विशेषता का बोध कराते हैं, क्रिया विशेषण कहलाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता का पता चलता है, उन शब्दों को हम क्रिया विशेषण कहते हैं । जैसे:-1- राम तेज साइकिल चलायेगा। 2- कछुआ धीरे धीरे चलता है। 3- अचानक से तेज बारिश शुरू हो गयी। 4- कौवे को बहुत प्यास लगी थी। 5- राधा चित्र बहुत सुंदर बनाती है।
धीरे-धीरे, तेज़ आदि शब्द चलना, दौड़ना, बढ़ना आदि क्रियाओं की विशेषता बताने का काम कर रहे हैं। यह शब्द क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

क्रिया विशेषण के भेद- क्रिया विशेषण के 4 भेद होते हैं।

1. कालवाचक क्रियाविशेषण:- वो क्रियाविशेषण शब्द जो क्रिया के होने के समय के बारे में बताते हैं, कालवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं। जैसे:- (I) राम कल मेरे स्कूल आया था। (II) परसों बरसात होगी। (III) बच्चों ने दोपहर में खाना खाया था। (IV) मां सुबह पूजा करती हैं।
क्रिया शब्द जैसे आना, खाना, होना, करना, आदि व समय के बारे में कल, सुबह, परसों, दोपहर आदि शब्द बता रहे हैं। यह शब्द कालवाचक क्रियाविशेषण के अंतर्गत आयेंगे।

2. रीतिवाचक क्रियाविशेषण:- ऐसे क्रियाविशेषण शब्द जो किसी क्रिया के होने की विधि या तरीके का बोध कराते हैं, वह शब्द रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं। जैसे:-(I) मजदूर अच्छी तरह काम करता है। (II) बच्चे ध्यान पूर्वक पढ़ाई करते हैं। (III) हाथी धीरे-धीरे आगे बढ़ता है। (IV) शेर ध्यान से पकड़ता है। (V) तोता फटाफट बोलता है। (VI) हाथी हमेशा सीधी चाल चलता है। (VII) चोर गलत बात बोलता है।
ध्यान से, फटाफट, गलत, हमेशा, सच, अच्छी तरह, ध्यानपूर्वक, धीरे-धीरे आदि शब्द हैं। यह शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण के अंतर्गत आते हैं।

3. स्थानवाचक क्रियाविशेषण :- ऐसे अविकारी शब्द जो हमें क्रियाओं के होने के स्थान का बोध कराते हैं, वे शब्द स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं। जैसे:-(I) सभी लोग अन्दर जाकर बैठें। (II) बच्चा बाहर दौड़ता है। (III) चिड़ियाँ छत पर बैठीं हैं ।(IV) मोर पेड़ पर नाचता है। (V) महिलाएँ मैदान में योग कर रहीं हैं।
अन्दर, बाहर, छत पर, पेड़ पर, दूर, मैदान में आदि शब्द और बैठना, खेलना, सोना, गिरना आदि क्रियाओं के होने के स्थान का बोध करा रहे हैं। हम यह भी जानते है कि जब कोई शब्द हमें किसी क्रिया के स्थान का बोध कराते हैं, ऐसे शब्द स्थानवाचक क्रियाविशेषण होते हैं।

4. परिमाणवाचकक्रियाविशेषण :- ऐसे क्रियाविशेषण शब्द जिनसे हमें क्रिया के परिमाण, संख्या या मात्रा का पता चलता है, वे शब्द परिमाणवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं। जैसे:-(I) राधा थोड़ा अधिक गाओ। (II) कुत्ता बहुत ज्यादा भौंकता है। (III) अम्मा अधिक खाना बनाती हैं। (IV) बच्चे ज्यादा खेलते हैं। (V) यह खाना खाने के लिए पर्याप्त है।
अधिक, ज्यादा, पर्याप्त आदि शब्द का और खाना, दौड़ना, सोना, पढ़ना आदि क्रियाओं के परिमाप या मात्रा का बोध कराते हैं। परिभाषा से हमें यह जान पड़ता है कि ऐसे शब्द जो हमें क्रिया के होने की मात्रा एवं संख्या का बोध कराते हैं, ऐसे शब्द परिमाणवाचक क्रियाविशेषण के अंतर्गत आते हैं।

अनुच्छेद - 05

एक बार युवक राजकुमार सिद्धार्थ जंगल में गए। अचानक एक सुन्दर हंस उनके पैरों के पास जमीन पर आ गिरा, उन्होंने हंस को उठा लिया। उन्होंने देखा कि हंस की बगल में एक तीर घुसा हुआ है। वह बेवस था और हिल भी नहीं सकता था। सिद्धार्थ ने तीर निकाल लिया। इससे ढ़ेर सारा खून निकल पड़ा। वे हंस को अपने महल में ले आए और बड़े प्यार से कई दिनों तक उसकी देखभाल करते रहे, वे उसे प्यार से खाना भी खिलाते थे। जब हंस ठीक हो गया, तब सिद्धार्थ ने उसे जंगल में छोड़ दिया।

उपरोक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1-सिद्धार्थ ने हंस को उठाया-
(अ) महल से (ब) झील से (स) जंगल से (द) गली से
2-हंस सिद्धार्थ के पैरों के पास आ गिरा, क्योंकि वह-
(अ) कमजोर था। (ब) घायल था। (स) सुन्दर था (द)भूखा था।
3-सिद्धार्थ ने हंस को उठा लिया, क्योंकि-
(अ) हंस सुन्दर था। (ब) वह दयालु व्यक्ति था।
(स)वह हंस को महल में रखना चाहता था। (द)उसे पक्षियों का शौक था।
4-सिद्धार्थ ने हँस को जंगल में छोड़ दिया, क्योंकि
(अ) वे घायल पक्षी की देखभाल करते-करते थक गए थे। (ब) वे चाहते थे कि पक्षी जंगल में स्वतंत्र और प्रसन्न रहे। (स) उसे हंस पसन्द नहीं था । (द) महल में पक्षियों के लिए कोई स्थान नहीं था।
5. इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?
(अ) हमें पक्षियों की देखभाल करनी चाहिए। (ब) प्रत्येक जीव के प्रति दयालु रहो। (स) पक्षियों को खाना खिलाना चाहिए। (द) तीरों का इस्तेमाल मत करो।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, #9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढायें।

6

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक
प्राथमिक स्तर

मिशन शिक्षण संवाद विषय - हिन्दी

क्रमांक - 006 टॉपिक - भाषा, अनुच्छेद

भाषा- भाषा संस्कृत की 'भाष्' धातु से बना है, जिसका अर्थ है- बोलना। भाषा से अभिप्राय मुख से निकली वे ध्वनियाँ हैं, जिनका अपना अर्थ होता है।

भाषा का प्रयोग केवल मनुष्य द्वारा ही किया जाता है। मानव-मुख से निकलनेवाली ध्वनियाँ शब्द बनाती हैं तथा इन्हीं शब्दों के माध्यम से मनुष्य अपने मन के भावों तथा विचारों को प्रकट करते हैं तथा दूसरों के भावों तथा विचारों को समझ पाते हैं। इसी प्रकार हम अपने मन के भावों को बोलकर, लिखकर तथा पढ़कर प्रकट कर सकते हैं। अतः अपने मन के भावों और विचारों को बोलकर, लिखकर या पढ़कर प्रकट करने के साधन को भाषा कहते हैं।

विश्व में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जैसे:- अंग्रेज़ी, फ्रेंच, चीनी, जर्मनी, जापानी, रूसी आदि। हमारे देश भारत में भी अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। प्रमुख भाषाएँ:- हिंदी, कश्मीरी, उर्दू, पंजाबी, बांग्ला, उड़िया, तमिल, तेलुगु, संस्कृत, गुजराती, मराठी आदि।

भाषा का प्रयोग चार प्रकार से किया जाता है- 1. बोलकर 2. सुनकर 3. लिखकर 4. पढ़कर
भाषा के मुख्यत: दो रूप हैं- 1. मौखिक या कथित भाषा 2. लिखित भाषा

1. मौखिक या कथित भाषा- जिस भाषा को बोलकर तथा सुनकर हम अपने मन के भावों तथा विचारों को समझते व समझाते हैं, वह मौखिक या कथित भाषा कहलाती है। बोलना तथा सुनना इसके अंतर्गत आता है; जैसे- अध्यापक द्वारा कक्षा में पढ़ाया जाना तथा विद्यार्थियों द्वारा उसे सुनना। वाद-विवाद, बातचीत तथा भाषण आदि भाषा के मौखिक रूप हैं।

2. लिखित भाषा- जिस भाषा को लिखकर तथा पढ़कर हम अपने मन के भावों व विचारों को समझते और समझाते हैं, वह लिखित भाषा कहलाती है। लिखना तथा पढ़ना इसके अंतर्गत आता है; जैसे- दूर बैठे व्यक्ति को पत्र या लेख द्वारा संदेश देना। समाचार-पत्र, विज्ञापन, ई-मेल, पुस्तक आदि भाषा के लिखित रूप हैं। साहित्य- -सृजन में भाषा के लिखित रूप का प्रयोग होने से इसकी महत्ता भाषा के कथित या मौखिक रूप से अधिक है।
भाषा के अनेक रूप हैं- 1.मातृभाषा 2.राष्ट्रभाषा 3.राजभाषा 4.बोली।

मातृभाषा- जिस भाषा को बच्चा शैशवावस्था में अपनी माँ तथा अपने परिवार से सीखता है अर्थात् बच्चा जिस परिवार में रहता है, जहाँ उसका पालन-पोषण होता है, वह जिस भाषा को सबसे पहले सीखता है, वही उसकी मातृभाषा कहलाती है; जैसे- पंजाबी परिवार में पले-बढ़े बच्चे की मातृभाषा पंजाबी होती है।

राष्ट्रभाषा- जिस भाषा का प्रयोग राष्ट्र के अधिकांश लोगों द्वारा किया जाता है; वह राष्ट्रभाषा कहलाती है। भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है- हिंदी, पंजाबी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, असमिया, कन्नड़, कश्मीरी, नेपाली, तमिल, बांग्ला, कोंकणी, बोडो, डोगरी, सिंधी, मलयालम, मैथिली, उड़िया, तेलुगु, उर्दू, मणिपुरी, संथाली ।

राजभाषा- जिस भाषा में सरकारी कार्य (काम-काज) किया जाता है, वह राजभाषा कहलाती है। हिंदी भारत की राजभाषा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के अंतर्गत 14 सितंबर, 1949 को हिंदी भाषा को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया, इसलिए प्रतिवर्ष 14 सितंबर का दिन हिंदी-दिवस के रूप में मनाया जाता है।

बोली- भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली कहलाता है। बोली मौखिक रूप से किसी क्षेत्र विशेष के लोगों की अपने विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम होती है। क्षेत्र बदलते ही बोली का रूप बदल जाता है। हिंदी भाषा की अनेक बोलियाँ हैं- अवधी, मारवाड़ी, हरियाणवी, भोजपुरी, ब्रज आदि। अत: क्षेत्र विशेष में बोली जानेवाली कथित भाषा बोली कहलाती है।

अनुच्छेद - 06

"लोग हंस की प्रशंसा करते हैं और मुझे काला कहते हैं। मैं तो इससे भी तेज उड़ सकता हूँ, क्यों न मैं उसे उड़ने के मुकाबले के लिए ललकारूं और उसे हरा दूँ।तब लोग मेरी इज्जत और उसका अनादर करेंगे।" यह सोचकर कौए ने हंस को समुद्र के बीच में स्थित एक द्वीप तक एक साथ उड़ने के लिए ललकारा। हंस तैयार नहीं हुआ, किन्तु कौए ने जिद्द न छोड़ी। दोनों ने उड़ना शुरू किया। आरम्भ में कौआ अत्यन्त तेज गति से उड़ता हुआ हंस से आगे निकल गया। हंस अपनी सामान्य गति से उड़ता रहा। कौआ शीघ्र ही थक गया और नीचे गिरने लगा। हंस को उस पर दया आई। उसने कौए को अपने पंखों पर बैठाकर द्वीप तक सुरक्षित पहुँचा दिया। कौआ अपने पर बहुत लज्जित हुआ।

उपरोक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. कौआ-
(I) चतुर था। (II) विनम्र था। (III) घमंडी था। (IV) ईर्ष्यालु था।
2. हंस ने-
(I) कौए के प्रस्ताव को अन्त में मान लिया। (II) कौए के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। (III) कौए के प्रस्ताव का स्वागत किया। (IV) कौए के प्रस्ताव को एकदम अस्वीकार कर दिया।
3. कौए ने हंस को सलाह दी कि उन्हें-
(I) एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए। (II)उड़ने का मुकाबला करना चाहिए। (III) एक साथ द्वीप की यात्रा करनी चाहिए।(IV) सैर करने चलना चाहिए।
4. कौआ हंस को मुकाबले में हराना चाहता था, क्योंकि इससे-
(I) उसे प्रशंसा मिलेगी। (II) हंस को प्रशंसा मिलेगी।
(III) हंस को काला कहा जाएगा। (IV) हंस को उस पर दया आएगी।
5- कौए के विपरीत हंस अपनी सामान्य गति से उड़ा, क्योंकि उसे-
(I) कौए से डर लगता था। (II) अपने पर गर्व था।
(III) परिणाम के बारे में भरोसा नहीं था। (IV) अपने पर भरोसा था।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, #9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढायें।

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक

मिशन शिक्षण संवाद विषय - हिन्दी

प्राथमिक स्तर क्रमांक - 007 टॉपिक - लिपि, अनुच्छेद

लिपि (Script)- मौखिक भाषा में ध्वनियों का प्रयोग किया जाता है, जबकि लिखित भाषा में वर्णों या अक्षरों का प्रयोग किया जाता है। अतः प्रत्येक लिखित भाषा में प्रत्येक ध्वनि को प्रकट करने के लिए कोई-न-कोई विशेष चिह्न होता है। उन चिह्नों को लिखने की विधि लिपि कहलाती है।

लिपि शब्द का सामान्य अर्थ है- लीपना। किसी भी भाषा के लिखित रूप का आधार उस भाषा की लिपि होती है। अतः हम कह सकते हैं कि किसी भी भाषा को लिखने की विधि लिपि कहलाती है।

प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है; जैसे

भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी
संस्कृत	देवनागरी
मराठी	देवनागरी
नेपाली	देवनागरी
मैथिली	देवनागरी
पंजाबी	गुरमुखी
उर्दू	फ़ारसी
अंग्रेजी	रोमन

यह भी जानिए

- देवनागरी लिपि का विकास ब्राह्मी लिपि से हुआ है।
- फ़ारसी लिपि दाईं ओर से बाईं ओर लिखी जाती है।

हमें कर्ता, क्रिया आदि के सही प्रयोग का बोध व्याकरण के द्वारा होता है। अतः जिस शास्त्र के द्वारा किसी भाषा को शुद्ध बोलने, लिखने या पढ़ने के नियमों का बोध होता है, उसे व्याकरण कहते हैं।

व्याकरण ही वह साधन है, जिसके द्वारा भाषा की शुद्धता और एकरूपता को बनाए रखा जा सकता है।

व्याकरण के अंग- व्याकरण के तीन अंग होते हैं-

1. **वर्ण विचार-** भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण या अक्षर है। इसके अंतर्गत वर्णों के विषय में विचार किया जाता है।

2. **शब्द विचार-** वर्णों या अक्षरों के मेल से शब्द बनते हैं, अतः इसके अंतर्गत शब्दों के प्रकार, भेद के विषय में विचार किया जाता है।

3. **वाक्य विचार-** शब्दों के मेल से वाक्य बनते हैं, अतः इसके अंतर्गत वाक्यों के विषय में विचार किया जाता है।

अनुच्छेद- 07

द्वापर युग में भगवान विष्णु ने कृष्ण रूप में अवतार लेकर अपनी लीलाओं से सबका मन मोह लिया। एक बार ब्रज में हर तरफ धूम थी। लोग तरह तरह के पकवान बना रहे थे। उत्सुकता के साथ कृष्ण जी ने माता यशोदा से पूछा कि आज किस चीज की तैयारियां हो रही हैं। तब उन्होंने बताया कि पुत्र ये इंद्रदेव को धन्यवाद देने के लिए उनकी पूजा की तैयारियां की जा रही हैं, क्योंकि इंद्रदेव वर्षा करते हैं, जिससे हमें जल प्राप्त होता है। तब कृष्ण जी ने कहा कि ये तो इंद्रदेव का कर्तव्य है। पूजा तो हमें गोवर्धन पर्वत की करनी चाहिए। हमारी गायें वहीं पर चरती हैं। गोवर्धन पर्वत से हमें फल, फूल और औषधियां प्राप्त होती हैं। कृष्ण जी की यह बात सभी को सही लगी और सभी ने गोवर्धन पर्वत की पूजा की। इसे इंद्र देव ने अपना अपमान समझा। क्रोध के कारण वह मूसलाधार वर्षा करने लगे। हर तरफ त्राहि-त्राहि होने लगी। तब कृष्ण जी ने ब्रजवासियों को मूसलाधार वर्षा से बचाने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उंगली पर उठाए रखा। सभी ब्रजवासी और पशुओं ने गोवर्धन पर्वत के नीचे शरण ली। इंद्रदेव का अभिमान चूर-चूर हो गया। वह अपने इस कार्य पर बहुत लज्जित हुए और भगवान श्रीकृष्ण से क्षमा याचना की। इसी उपलक्ष्य में गोवर्धन या अन्नकूट का पर्व मनाया जाता है।

दिए गए अनुच्छेद के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. द्वापर युग में....... भगवान ने अवतार लिया ।
(A) राम (B) विष्णु (C) कृष्ण (D) शिव

2. ब्रज में ....भगवान की पूजा की तैयारियां हो रही थीं ।
(A) कृष्ण (C) इन्द्रदेव (C) राम (D) विष्णु

3. गायें ....पर चरती हैं ।
(A) कैलाश पर्वत (B) हिमालय पर्वत
(C) गोवर्धन पर्वत (D) विन्ध्याचल पर्वत

4. गोवर्धन पर्वत से हमें प्राप्त होती हैं ।
(A) सोना (B) फल, फूल और औषधियां
(C) मीठे पकवान (D) नये-नये कपड़े

5- इंद्र देव भगवान ने....... तक मूसलाधार बारिश की ।
(A) पन्द्रह दिन (B) अट्ठारह दिन
(C) चार दिन (D) सात दिन

आओ हाथ से हाथ मिलायें, #9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढायें।

8

वर्ण- भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है। यह ध्वनि ही वर्ण कहलाती है। वर्ण या अक्षर का प्रयोग ध्वनि (मौखिक) और ध्वनि-चिह्न (लिपि-चिह्न) दोनों के लिए होता है। वर्ण भाषा की वह मूल ध्वनि है जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते।

जब हम कुछ बोलते हैं, तब हमारे मुख से कुछ ध्वनियाँ निकलती हैं और इन ध्वनियों का कुछ अर्थ निकलता है; जैसे- तुम प्रतिदिन विद्यालय जाओ।

👉 **अब इस वाक्य के प्रत्येक शब्दों के खण्ड करके देखिए-**

तुम = त् + उ + म् + अ (चार ध्वनियाँ)

प्रतिदिन = प् + र् + अ + त् + इ + द् + इ + न् + अ (नौ ध्वनियाँ)

विद्यालय = व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ (नौ ध्वनियाँ)

जाओ = ज् + आ + ओ (तीन ध्वनियाँ)

इन ध्वनियों के और ऐसे छोटे खण्ड नहीं किए जा सकते हैं, जिन पर विचार किया जा सके। अतः व्याकरण में इन्हें वर्ण कहते हैं।

वह छोटी-से-छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े या खण्ड न हो सकें, वह वर्ण कहलाती है; जैसे- अ, इ, उ, क्, ख्, ज्, ट् आदि।

हम वाहनों; जैसे- कार, बस, स्कूटर आदि वाहनों से निकलने वाली ध्वनियों का अर्थ नहीं बता सकते।

वर्णमाला- वर्णों के व्यवस्थित समुदाय को वर्णमाला कहते हैं। हिन्दी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण हैं, जो इस प्रकार हैं:-

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः				
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	

11 + 2 = 13

ड़, ढ़ = 2

= 37

कुल = 52

विशेष- हिन्दी में 'ड़ और ढ़ '- इन दोनों ध्वनियों का बड़ा महत्व है। ये दोनों ध्वनियाँ 'ड और ढ' से बिल्कुल भिन्न हैं। "ड़ और ढ' वर्णों का प्रयोग शब्दों के प्रारम्भ में कभी नहीं किया जाता। इनका प्रयोग शब्द के मध्य या अन्त में होता है; जैसे- घोड़ा, बड़ा, चढ़ाई, पढ़ना आदि।

अभ्यास प्रश्न-

1- भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या कहलाती है?
2- वर्ण किसे कहते हैं?
3- हिन्दी वर्णमाला में कुल कितने वर्ण हैं?
4- विशेष ध्वनियाँ कौन-कौन सी हैं?

अनुच्छेद-।

दिल्ली हमारे देश की राजधानी है। इसका पुराना नाम इंद्रप्रस्थ था। यह एक प्राचीन नगर है। नई दिल्ली में केंद्रीय सरकार के कार्यालय, राष्ट्रपति भवन और संसद भवन हैं। नई दिल्ली का प्रमुख बाज़ार कनॉट प्लेस है। इसके चारों ओर भव्य व गगनचुंबी भवन हैं। दिल्ली यमुना नदी के दाएँ किनारे पर स्थित है। यहाँ का लालकिला बहुत प्रसिद्ध है। यहाँ पर कुतुबमीनार, बिड़ला मंदिर तथा अन्य ऐतिहासिक इमारतें भी हैं। यहाँ राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि है। इसके पास ही शांतिवन, शक्तिस्थल, विजयघाट तथा समतास्थल आदि में महान नेताओं की समाधियाँ हैं, जहाँ पर आकर देश-विदेश के लोग श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। यहाँ अनेक विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय हैं, जिनमें देश-विदेश के विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण करने आते हैं।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

Q1- दिल्ली का पुराना नाम क्या था?
(A) पुरानी दिल्ली (B) नई दिल्ली
(C) देहली (D) इन्द्रप्रस्थ

Q2- दिल्ली किस नदी के किनारे बसी हुई है?
(A) गंगा (B) यमुना
(C) सरयू (D)सतलज

Q3- महात्मा गांधी की समाधि कहाँ है?
(A)राजघाट (B) विजयघाट
(C)शान्तिवन (D)शक्तिस्थल

Q4- भारत की राजधानी कौन-सी है?
(A) दिल्ली (B) लखनऊ
(C) कोलकाता (D) उत्तर प्रदेश

Q5- नई दिल्ली का प्रमुख बाज़ार कौन -सा है?
(A) चाँदनी चौक (B) चोर बाजार
(C) कनॉट प्लेस (D) पुरानी दिल्ली

अनुच्छेद-॥

अध्ययन करना छात्र का कर्तव्य है। इस कर्तव्य की पूर्ति के लिए निश्चय ही असंख्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। जैसे-जैसे वक्त आगे बढ़ता जाएगा उसे यह अनुभव होगा कि प्रत्येक कठिनाई पहले से आसान है। उसकी लगातार सफलता उसके दिल में आत्मविश्वास पैदा करेगी। कई छात्र अज्ञानवश परिश्रम से जी चुराते हैं, नकल व सिफारिशों का सहारा लेते हैं, वे भूल जाते हैं कि कड़ी मेहनत छात्र को अपनी ही दृष्टि में ऊँचा उठाकर एक सुखद अनुभव प्रदान करती है, जबकि अनुचित साधनों के प्रयोग से आत्मविश्वास व आत्मसम्मान की भावना का हनन होता है। ऐसे छात्र छात्रजीवन के वास्तविक सुख व ज्ञान से वंचित रह जाते हैं। कठिनाइयाँ तो उठानी ही पड़ती हैं, जो प्रारम्भ में बुद्धिमत्ता से परिश्रम कर कठिनाइयाँ पार कर लेते हैं, उनके लिए कठिनाइयों को पार करना एक सरल कार्य होता है। कठिनाई के बिना अध्ययन का आनन्द और मूल्य ही क्या है? आनन्द तो प्रयत्न में है, न कि पुरस्कार में।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

Q1- छात्र का उद्देश्य क्या है ?
(A) अध्ययन करना (B) लिखना
(C) पढ़ना (D) याद करना

Q2- वक्त के आगे बढ़ने के साथ-साथ
(A) आत्मविश्वास पैदा होता है
(B) प्रत्येक कठिनाई पहले से आसान हो जाती है।
(C) आत्मसम्मान की भावना का हनन होता है
(D) सम्मान मिलता है

Q3. कौन छात्र छात्रजीवन के वास्तविक सुख व ज्ञान से वंचित रह जाते हैं ?
(A) जो परिश्रम से जी चुराते हैं
(B) नकल व सिफारिशों का सहारा लेते हैं
(C) (A) और (B) दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Q4- छात्र के लिए कठिनाइयाँ पार करना एक सरल कार्य कब होता है ?
(A)जो प्रारम्भ मे बुद्धिमत्ता से परिश्रम करके कठिनाईयों को पार कर लेते हैं
(B) जो प्रारम्भ मे बुद्धि से लड़ते हैं
(C) जो प्रारम्भ में होशियार होते हैं
(D) जो प्रारम्भ में बड़ों का आदर करते हैं

Q5- आनन्द किसमें है ?
(A) पुरस्कार में (B) प्रयत्न में
(C) खाने में (D) पढ़ने में

10

उच्चारण और प्रयोग के आधार पर वर्णों के दो भेद किए गए हैं-

1. स्वर (Vowels)
2. व्यंजन (Consonants)

1. स्वर (Vowels)- जो वर्ण किसी अन्य वर्ण की सहायता के बिना बोले जाते हैं, वे स्वर कहलाते हैं। ये संख्या में ग्यारह हैं- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ। स्वर स्वतंत्र होते हैं। कुछ वर्णों में; जैसे- अ, इ, उ, ऋ के उच्चारण में आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ की तुलना में कम समय लगता है।

अत: उच्चारण की दृष्टि से स्वर के निम्नलिखित तीन भेद किए गए हैं-

स्वर के भेद (Kinds of Vowels)-

(1) ह्रस्व या मूल स्वर (Short Vowels)
(2) दीर्घ स्वर (Long Vowels)
(3)प्लुत स्वर(Longer vowels)

(1) ह्रस्व या मूल स्वर (Short Vowels)-

जिन स्वरों के उच्चारण में कम-से-कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। ये संख्या में चार हैं- अ, इ, उ, ऋ इन्हें मूल स्वर भी कहते हैं।

(2) दीर्घ स्वर (Long Vowels)-

जिन स्वरों के उच्चारण में मूल स्वरों के उच्चारण से दुगुना समय लगता है, वे दीर्घ स्वर कहलाते हैं। ये संख्या में सात हैं- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

(3) प्लुत स्वर (Longer Vowels)-

जिन स्वरों के उच्चारण में मूल स्वर के उच्चारण से तिगुना समय लगता है, वे प्लुत स्वर कहलाते हैं। इनका प्रयोग प्राय: किसी को दूर से बुलाने के लिए किया जाता है; जैसे- ओऽम। लिखते समय प्लुत के आगे (३) यह चिह्न अंकित कर दिया जाता है, जिसका अभिप्राय है- तिगुना ।

स्वरों की मात्राएँ- जब स्वर व्यंजनों के साथ मिलकर प्रयुक्त होते हैं, तब इनका स्वतंत्र रूप परिवर्तित हो जाता है और ये मात्रा कहलाते हैं। ये इस प्रकार हैं-

स्वर	मात्राएँ	व्यंजन	शब्द
अ	-	क	कलश, कमर
आ	ा	का	कान, काग
इ	ि	कि	किरन,किसान
ई	ी	की	कीप,कील
उ	ु	कु	कुमार कुछ
ऊ	ू	कू	कूड़ा,कूद
ऋ	ृ	कृ	कृष्ण, कृमि
ए	े	के	केरल,केला
ऐ	ै	कै	कैरम,कैबिनेट
ओ	ो	को	कोर्ट, कोई
औ	ौ	कौ	कौए, कौन

विशेष-

1- र व्यंजन के साथ उ और ऊ की मात्रा उसके बीच लगती है-
जैसे- र् + उ = रु रुचि, रुकावट
र् + ऊ = रू रूपरेखा, रूखा
2- स्वरों का प्रयोग मूलरूप में भी किया जाता है; जैसे- अमरूद, ईख, ऐश्वर्य, औज़ार आदि।

अभ्यास प्रश्न-

1- स्वर किसे कहते हैं?
2- मूल स्वर किसे कहते हैं?
3- दीर्घ स्वर किसे कहते हैं?
4- प्लुत स्वर किसे कहते हैं?

11

अनुच्छेद-1

पांडव अज्ञातवास कर रहे थे। एक दिन वे तालाब से पानी पीने गए। वहां उपस्थित यक्ष ने कहा, मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही पानी पी सकते हो। सभी पांडव विफल हो गए। अंत में युधिष्ठिर यक्ष के पास पहुंचे। यक्ष ने युधिष्ठिर से प्रश्न किया, 'अचानक आए संकट से मनुष्य को कौन बचाता है?' धर्मराज का उत्तर था, 'साहस ही कठिन परिस्थितियों में साथ देता है।' दूसरा प्रश्न किया, 'किस शास्त्र को पढ़कर विद्वान बना जा सकता है?' उत्तर मिला, 'सिर्फ शास्त्रों का अध्ययन नहीं, विवेकी व्यक्तियों को सत्संग भी विद्वान बनाने में सक्षम है।' अगला प्रश्न था,'वायु से भी तेज गति किसकी होती है?' युधिष्ठिर का उत्तर था, 'मन की।'अगला प्रश्न था, 'आग से तेज क्या है?' उत्तर था, 'क्रोध अग्नि से अधिक तेजी से जलाता है।'
अगला प्रश्न था,'काजल से भी काला क्या है?' उत्तर मिला, 'कलंक। काजल को धोया जा सकता है, किंतु चरित्र पर लगा धब्बा धोया नहीं जा सकता।'
'दुनिया में सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है? यक्ष के इस प्रश्न पर धर्मराज ने कहा, 'प्रतिदिन मृत्यु को देखकर भी मनुष्य जीवित रहना चाहता है, यही सबसे बड़ा आश्चर्य है।'
युधिष्ठिर के उत्तर सुनकर यक्ष गद्गद हो उठे और उन्होंने पानी पीने की अनुमति दे दी।

उपयुक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1- अज्ञात का विलोम शब्द क्या है?
(A) सज्ञात (B) ज्ञात
(C) नि:ज्ञात (D) प्रतिज्ञात

2 - वायु से तेज गति किसकी होती है।
(A) प्रकाश (B) ध्वनि
(C) आग (D) मन

3- काजल से भी काला क्या होता है?
(A)कलर (B) कोयला
(C) कलंक (D) कार्बन

4- यक्ष ने किस बात की अनुमति दी?
(A)जाने की (B) प्रश्न पूछने की।
(C) पानी पीने की (D)रहने की।

5 .आग शब्द का समानार्थी कौन सा शब्द नही है?
(A) पावक (B) अनिल
(C) अनल (D) हुताशन

अनुच्छेद -2

आइसलैंड के दक्षिण में एक दूरस्थ द्वीप एलीडे पर एक घर बना है। सफेद रंग की दीवारों और नीले रंग की छत से बना यह घर अपने आप में अनोखा है। इस घर का नाम 'व्हाइट हाउस' है। चारो ओर समुद्र से घिरे द्वीप पर बने इस घर को 'दुनिया का सबसे अकेला घर' बताया जाता है। यह छोटा-सा द्वीप 15 से 18 द्वीपों के द्वीप समूह 'वेस्टमन्नायजर' का एक हिस्सा है। कहते हैं कि द्वीप पर बने इस घर को 1950 के दशक में एलिसे हंटिंग एसोसिएशन द्वारा बनाया गया था। उस समय यह घर उन्होंने पफिन (समुद्री पक्षी) का शिकार करने के लिए बनाया था। दरअसल, इस पक्षी का मुख्य आहार मछलियां हैं। ऐसे में इस द्वीप पर रहकर इन पक्षियों का शिकार करना आसान था। आम द्वीपों की तरह इस द्वीप पर बिजली, पानी या अन्य किसी जरूरी सामान की कोई व्यवस्था नहीं है। कुछ लोगों का कहना है कि घर में वाष्प स्नान का एक कमरा है, जिसे प्राकृतिक वर्षा जल संग्रहण प्रणाली द्वारा भरा जाता है। वहां की सरकार द्वारा यह द्वीप एक प्रकृति आरक्षित और संरक्षित क्षेत्र के रूप में सूचीबद्ध है। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि आज भले ही यह द्वीप पूरी तरह से वीरान पड़ा है, मगर लगभग 300 साल पहले यहां पांच लोग रहा करते थे। उस समय इन लोगों का जीवन मछली पकड़ना, पफिन (समुद्री पक्षी) का शिकार करना और मवेशियों को पालने पर निर्भर था। इस घर को लेकर अब भी कई अफवाहें और सवाल लंबे समय से घूम रहे हैं। ऐसी भी एक अफवाह थी कि इसे एक अरबपति ने बनवाया था, जिसने जॉम्बी अटैक से बचने के लिए इसका इस्तेमाल करने की योजना बनाई थी।

उपयुक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1- द्वीप किस चीज से घिरा है?
A.नदी से B.बर्फ से
C.पानी से D. समुद्र से

2.आम द्वीप मे किस तरह की व्यवस्था नही है?
A.बिजली B.गैस
C. जरूरी सामान D. उपरोक्त सभी

3- पफिन क्या है?
A मछली B समुद्री पछी
C समुद्री मछली D समुद्री पशु

4 आइसलैंड पर किसके द्वारा घर बनवाया गया?
A.व्हाइट हाउस B. वेस्टमन्नायजर
C. एलीडे D. एलिसन हीटिंग एसोसिएशन

5- समुद्र का समानार्थी शब्द नही है
A. जलधर B. जलधि
C. पयोधि D. नदीश

12

अ स्वर की कोई मात्रा नहीं होती। सभी व्यंजन 'अ' स्वर के साथ लिखे जाते हैं अन्यथा उनमें हलंत (्) लगा दिया जाता है।
क्, च्, ट्, प् आदि स्वर रहित व्यंजन हैं।
क्+ अ = क, च् + अ = च, द् + अ = द, तथा प् + अ = प आदि 'अ ' स्वर सहित व्यंजन हैं।

अयोगवाह (After Sound)- ऐसे वर्ण जो न तो स्वर है और न ही व्यंजन, अयोगवाह कहलाते हैं। हिंदी वर्णमाला में 'अं', 'अः' और 'अं' को स्वरों के साथ रखा जाता है, क्योंकि इनका उच्चारण 'अ' की सहायता से ही होता है ।
अनुस्वार (अं)- इसका उच्चारण नाक से होता है, इसका प्रयोग शिरोरेखा के ऊपर बिंदु (ं) के रूप में होता है। जैसे- गंगा, जंगल, हंस आदि।
अनुनासिक (आँ)- इसका उच्चारण नाक और मुँह से होता है, जैसे आँख, हँसी, चाँद आदि। इसके ऊपर चंद्रबिंदु (ँ) लगाया जाता है।
विसर्ग (अ)- इसका उच्चारण 'ह' के समान होता है। इसका चिह्न (:) है; जैसे- नमः प्रातः, अतः आदि।

2. व्यंजन(Consonants)- जिन वर्णों के उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता ली जाती है, वे व्यंजन कहलाते हैं। संयुक्त व्यंजनों सहित ये संख्या में उनतालीस हैं।
व्यंजन के भेद(Kinds of Consonants)- व्यंजन के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं:
(क) स्पर्श व्यंजन(Mutes), (ख) अंत:स्थ व्यंजन(Semi-Consonants), (ग) ऊष्म व्यंजन(Sibilants)

(क) स्पर्श व्यंजन (Mutes)- ऐसे व्यंजन जिनका उच्चारण करते समय वायु मुख के किसी-न-किसी आंतरिक भाग का स्पर्श करके आती है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं। 'क्' से 'म्' तक कुल पच्चीस स्पर्श व्यंजन हैं। इन्हें पाँच वर्गों में बाँटा गया है और प्रत्येक वर्ग में पाँच-पाँच व्यंजन हैं। हर वर्ग का नाम पहले वर्ण के नाम पर रखा गया है; जैसे:-

कवर्ग- क, ख, ग, घ, ङ
चवर्ग- च, छ, ज, झ, ञ
टवर्ग - ट, ठ, ड, ढ, ण (ड़, ढ़)
तवर्ग - त, थ, द, ध, न
पवर्ग - प, फ, ब, भ, म

(ख) अंत:स्थ व्यंजन (Semi-Consonants)- ऐसे व्यंजन जिनका उच्चारण स्वरों और व्यंजनों के बीच में होता है, उन्हें अंत:स्थ व्यंजन कहते हैं। ये संख्या में चार हैं- य, र, ल, व।

(ग) ऊष्म व्यंजन (Sibilants)- ऐसे व्यंजन जिनका उच्चारण करते समय वायु मुख के किसी भाग से टकराकर ऊष्मा (गर्मी) पैदा करती है, उन्हें ऊष्म व्यंजन कहते हैं। ये भी संख्या में चार हैं- श, ष, स, ह।

संयुक्त व्यंजन (Joint Consonants)- दो या दो से अधिक व्यंजनों के मेल से बने व्यंजनों को संयुक्त व्यंजन कहते हैं। ये भी संख्या में चार हैं; जैसे- क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

13

अनुच्छेद

ईसा पूर्व 776 से प्रत्येक 4 वर्ष बाद यूनानवासी बहुत बड़ा उत्सव मनाया करते थे। महान देवता जियूस के सम्मान में कलाकार, लेखक और खिलाड़ी एकत्रित होते थे। ओलम्पिया शहर में प्रतियोगिताएँ आयोजित होती थीं, इसलिए इस आयोजन को ओलम्पिक खेल कहा जाने लगा। उन दिनों ओलम्पिक खेलों में केवल खेलकूद की प्रतियोगिताएँ ही नहीं होती थीं, नाटक और कवियों द्वारा कविता पाठ होते तथा साथ ही दौड़ें भी। यूनानवासियों के लिए ये खेल मन और शरीर के मेल थे और जीतने का प्रयास देवताओं के राजा जियूस के प्रति सम्मान था। ये कार्यक्रम तीन दिन तक चलते थे। खिलाड़ी दौड़ते, कुश्ती लड़ते, घुड़सवारी करते और रथ दौड़ाते थे। खेल ओलम्पिक की शपथ से प्रारम्भ होते थे और पुरस्कार तथा दावत के साथ समाप्त होते थे।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. ओलम्पिक खेल सर्वप्रथम कब आयोजित हुए थे?
(A) 1876. ई.पू. (B) 776 ई. पू.
(C) 776 ई. पू (D) 1976 ई. पू.

2:-ओलम्पिक किस शहर में आयोजित किए जाते थे ?
(A) रोम (B) जियूस
(C) पेरिस (D) ओलम्पिया

3:-खेलों से मेल होता है
(A)मन और शरीर का (B)आत्मा और ईश्वर का
(C)शरीर और आत्मा का(D) ईश्वर और मन का

4 -जियूस था।
(A) एक महान राजा (B) एक यूनानी देवता
(C) महान पहलवान (D) ओलम्पिक खिलाड़ी

5.प्रयास का पर्यायवाची होगा
(A) प्रयत्न (B) विचार
(C) खोज (D) आविष्कार

अनुच्छेद -2

संसार में सर्वप्रथम शिक्षा का विकास मिस्र में ही हुआ। प्राचीन समय में पुरोहित, मिस्र में बच्चों को मन्दिरों में शिक्षा देते थे। सरकार शिक्षा के विकास के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती थी। सरकारी विद्यालयों में गणित, इतिहास, ज्योतिष, धर्म, राजनीति, भूगोल व खगोलशास्त्र की शिक्षा मुख्य रूप से प्रदान की जाती थी। प्राचीन मिस्र में विज्ञान की शिक्षा के लिए प्रयोगशालाओं की व्यवस्था थी। मिस्रवासी वनस्पति, गोंद, काजल और पानी का गाढ़ा घोल बनाकर उसका स्याही की तरह प्रयोग करते थे। वे सरकण्डे की कलम प्रयुक्त करते थे। इसके अलावा प्राचीन मिस्र में विज्ञान, गणित, धर्म और आयुर्वेद के क्षेत्र में भी अनेक पुस्तकें लिखी गईं, परन्तु इस काल में नाट्यशास्त्र का विकास नहीं हुआ। मित्रवासियों को ज्योतिषशास्त्र का विशेष ज्ञान था। विश्व के इतिहास में पहला पंचांग बनाने का श्रेय मिस्रवासियों को ही जाता है। धूप घड़ी का आविष्कार भी मिस्रवासियों की देन है।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1-प्राचीन मिस्र में पुरोहित बच्चों को शिक्षा देते थे
(A) मस्जिदों में (B) मदरसों में
(C) मन्दिरों में (D) विद्यालयों में

2-मिस्रवासियों को किसका विशेष ज्ञान था ?
(A) गणित (B) नाट्यशास्त्र
(C) ज्योतिषशास्त्र (D) खगोलशास्त्र

3-मिस्रवासी काजल का प्रयोग करते थे
(A) आँखों में लगाने में (B) स्याही बनाने में
(C)काला रंग बनाने में (D) कपड़ों को रँगने में

4-प्राचीन मिस्र में किस कला का विकास नहीं हुआ?
(A) ज्योतिषशास्त्र का (B) आयुर्वेद का
(C) खगोलशास्त्र का (D) नाट्यशास्त्र का

5-प्राचीन का विलोम शब्द होगा
(A) अर्वाचीन (B) समीचीन
(C) नया (D) पुराना

14

द्वित्व व्यंजन- जब किसी शब्द में एक ही व्यंजन / वर्ण दो बार आता है, तो उससे बना व्यंजन द्वित्व व्यंजन कहलाता है; जैसे- बच्चा
इसमें च् + च दो बार मिला है। इसलिए 'च्च' द्वित्व व्यंजन है।
अन्य उदाहरण- प् + अ + क् + क् + आ= पक्का क् + उ + त् + त् + आ = कुत्ता

वर्णों का उच्चारण-स्थान-: मुख के जिस भाग से जिस वर्ण का उच्चारण होता है, उसे उस वर्ण का उच्चारण-स्थान कहते हैं। हम वर्णों का उच्चारण कण्ठ, तालु, मूर्धा, दन्त, ओष्ठ तथा नासिका से करते हैं।
उच्चारण-स्थान के आधार पर स्वर तथा व्यंजनों का विभाजन

उच्चारण-स्थान	स्वर	व्यंजन
कण्ठ	अ, आ	क, ख, ग, घ, ड़, ह
तालु	इ, ई	च, छ, ज, झ, ज़, य, श
मूर्धा	ऋ	ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष
दन्त		त, थ, द, ध, न, ल, स,
ओष्ठ	उ, ऊ	प, फ, ब, भ, म
नासिका	अं	ड़, ज़, ण, न, म
कण्ठ-तालु	ए, ऐ	-----
कण्ठोष्ठ	ओ, औ	----
दन्तोष्ठ	----	व

वर्ण-संयोग-: वर्णों का परस्पर मेल वर्ण-संयोग कहलाता है। हम जानते हैं कि स्वरों के बिना व्यंजन का उच्चारण सम्भव नहीं। स्वर रहित व्यंजन के नीचे हलन्त (्) लगाया जाता है;
जैसे- ठ्
• घुण्डी वाले व्यंजनों (क, फ आदि) को स्वर रहित रूप में लिखते समय उनकी घुण्डी हटा दी जाती है; **जैसे-** क, प आदि।
• जिन व्यंजनों के अंत में खड़ी पाई (T) होती है, उनको स्वर रहित रूप में लिखते समय उनकी पाई(T) हटा दी जाती है;
जैसे- प् + य् + आ + र् + अ = प्यार म् + य् + आ + न् + अ = म्यान
अन्य व्यंजनों (ङ, छ, ट, ठ, ड, द, ह) को स्वर रहित रूप में लिखते समय उनके नीचे हलन्त(्) का चिह्न लगाया जाता है; जैसे- ट्, ठ्, ड् आदि।
ट् + अ = ट - छुट्टी (छ + उ + ट् + ट् + ई)
द् + अ = द - विद्या (व् + इ + द् + य् + आ)

वर्ण-विच्छेद-: स्वर तथा व्यंजनों को अलग-अलग करके लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है।
उदाहरण-: विद्वान = व् + इ + द् + व् + आ + न् + अ
सम्मान = स् + अ + म् + म् + आ + न् + अ
आगत ध्वनियाँ- समय के साथ-साथ कुछ दूसरी भाषाओं के वर्गों का प्रयोग हिन्दी भाषा में होने लगा है। इन वर्णों को आगत ध्वनियाँ या गृहीत वर्ण कहते हैं। ऑ, ख़, ज़, फ़ ऐसी ही ध्वनियाँ या वर्ण हैं, जो दूसरी भाषाओं से आए हैं।
जैसे- ऑ = कॉलेज़, डॉक्टर ज़ = सज़ा, ज़ुल्म फ = फ़िल्म, फ़न

15

अनुच्छेद-1

पेंगुइन बर्फ से ढँके दक्षिणी ध्रुव में रहते हैं। क्या कभी आपने सोचा है कि पेंगुइन ऐसे जमा देने वाले महाद्वीप में बिना गर्म कोट, स्वेटर या दस्तानों के, जिन्हें आप ठंडे देश में जाते समय पहनते हैं, कैसे रहते होंगे? पेंगुइन बिना जूतों के बर्फ पर चल सकते है (वे कभी बीमार नहीं पड़ते।)

उनके पास कोई घर नहीं होता, इसलिए वे बर्फ पर ही सोते हैं। प्रकृति ने उन्हें बहुत भिन्न विशेषताएँ दी हैं जिनसे वे सबसे ठंडी जलवायु में भी बिना परेशानी के जीवित रहते हैं। इसके पीछे रहस्य यह है कि उनके शरीर चर्बी की एक मोटी परत से ढँके होते हैं जो उनके शरीर को गर्म रखती है। यह फर के कोट का सा काम करती है।

पेंगुइन अपने अंडों और बच्चों के प्रति भी बड़े समर्पित होते हैं। अन्य पशुओं की भाँति मादा पेंगुइन अण्डे सेना या अपने बच्चों का पालन-पोषण नहीं करती। वह तो केवल एक अंडा दे देती है। इसके बाद नर पक्षी ही उसे गर्मी पहुँचाकर सेता है। मादा पेंगुइन तब दूर-दूर जाकर अपने पति और बच्चे के लिए भोजन की तलाश करती है। भारी हिम के कारण उसे काफी दूर तक जाना पड़ता है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q1. प्रकृति पेंगुइनों को अत्यंत ठंडी जलवायु में जीवित रहने में सहायता कैसे देती है?

(A) उनके शरीर को फर से ढँक कर ।
(B) उनके शरीर पर चर्बी की मोटी परत थी।
(C) उन्हें पहनने को ऊनी कोट देकर।
(D) उन्हें गर्म रहने का गुप्त तरीका बताकर ।

Q2. "पेंगुइन अपने अंडों के प्रति बड़े समर्पित होते हैं।" यह कहने से लेखक का आशय है

(A) बे अंडों की पूजा करते हैं ।
(B) वे अंडे देते हैं ।
(C) वे अपने अंडों की पूरी सुरक्षा करते हैं।
(D) वे अंडों को ठंड से बचाते है।

Q3. पेंगुइनों का घर नहीं होता, क्योंकि

(A) वे सोते नहीं।
(B) वे आलसी होते हैं ।
(C) वे बर्फ पर सोते हैं।
(D) उनके पास जमीन नहीं होती।

Q4. अनुच्छेद में प्रयुक्त जमा देने वाले से तात्पर्य है।

(A) बहुत शीतल (B) गतिहीन
(C) ठोस (D) हिम जैसा

Q5. पेंगुइन माता-पिता अन्य पशुओं से भिन्न होते हैं, क्योंकि-

(A) वे अपने अंडों के प्रति समर्पित होते हैं।
(B) माँ पेंगुइन बच्चों की देखभाल करती है।
(C) पिता पेंगुइन अंडों को सेता है।
(D) माँ एक बार में केवल दो अंडे ही देती है।

अनुच्छेद-2

बहुत समय पहले जंगल में एक विशाल पेड़ था। यह इतना ऊँचा था कि बादलों तक लगभग पहुँच जाता था। आज हम उसे लाल चंदन कहते हैं क्योंकि उसकी लकड़ी लाल दिखाई पड़ती है। "मैं यहाँ क्यों हूँ?" लाल चंदन ने पूछा," दुख है कि किसी ने उसे नहीं सुना"। "मेरा काम क्या है? मैं क्या भला कर सकता हूँ?" किसी ने उत्तर नहीं दिया। लाल चंदन का पेड़ बहुत साल तक खड़ा रहा। सभी पेड़ों के पत्ते बर्फ के कारण झड़ गए। पर इसके पास पत्तियाँ नहीं, बड़ी सुइयां थीं और वह पूरे साल ही बनी रहतीं। इसलिए पक्षियों को वह पेड़ पसंद था। इन बरसों में पक्षियों के सैकड़ों परिवारों ने उसे अपना घर बनाया। यह पक्षियों के बहुत बड़े होटल जैसा था। सूर्यास्त के समय पक्षियों के चहचहाने की आवाज इतनी ऊँची होती थी कि हिरन अपनी पीठ को पेड़ से नहीं रगड़ पाते थे। चिड़ियों के शोर से उनके कान खराब हो जाते।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q1. इस अनुच्छेद में वर्णन है-

(A) लाल चंदन के पेड़ जंगलों के लिए महत्वपूर्ण क्यों है?
(B) लोग लाल चंदन के पेड़ों का अपने घर बनाने में कैसे उपयोग करते हैं।
(C) लाल चंदन के पेड़ में पक्षी कैसे खुश रहते थे।
(D) लाल चंदन की हरी पत्तियाँ कितनी नुकीली थीं।

Q2. कहानी के प्रारंभ में कौन-सा शब्द लाल चंदन के मन के भाव को अच्छे से बताता है ?

(A) मज़ेदार (B) क्रुद्ध
(C) प्रसन्न (D) दुख

Q3. पक्षी प्रसन्न क्यों रहते थे?

(A) पक्षियों को खाने के लिए बहुत बीज मिल जाते थे।
(B) पेड़ साल भर हरा रहता था।
(C) पेड़ की पत्तियाँ हिम से गिर जाती थीं।
(D) पेड़ बहुत ऊँचा था।

Q4. जंगल में उस विशाल पेड़ का नाम 'लाल चंदन' क्यों पड़ा ?

(A) ऊँचाई के कारण।
(B) पेड़ के भीतर की लकड़ी लाल थी।
(C) उसकी पत्तियाँ सुइयों जैसी थीं।
(D) इसमें लाल पक्षियों के परिवार रहते थे।

Q5. जंगल में हिरन अप्रसन्न क्यों था?

(A) उसके छिपने की कोई जगह न थी।
(B) पक्षियों का शोर उसके कानों को चुभता था।
(C) उसे पर्याप्त धूप नहीं मिलती थी।
(D) वह लाल चंदन के पत्ते नहीं खा सकता था।

16

लिंग की परिभाषा- संज्ञा के जिस रूप में किसी व्यक्ति अथवा वस्तु में स्त्री या पुरुष जाति का बोध होता है, उसे लिंग कहा जाता है।
जैसे : माता, पिता, यमुना, शेर, शेरनी, भाई, बहन आदि।

लिंग क्या है ?
यह लिंग शब्द संस्कृत का शब्द है जिसका हिंदी में अर्थ है निशान। जिन शब्दों को पढ़ने या सुनने से उनकी जाति का बोध होता है, उसे लिंग कहा जाता है।

लिंग के भेद- मुख्य रूप से लिंग के तीन भेद होते हैं जो कि इस प्रकार है :
1- पुल्लिंग 2- स्त्रीलिंग 3- नपुंसकलिंग

पुल्लिंग-
संज्ञा के जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उन शब्दों को पुल्लिंग शब्द कहा जाता है।
जैसे : पिता, राजा, घोड़ा, कुत्ता, बन्दर, हंस, बकरा, आदमी, सेठ आदि।

पिता राजा कुत्ता

स्त्रीलिंग-
संज्ञा के जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, उन शब्दों को स्त्रीलिंग शब्द कहा जाता है।
जैसे : माता, बहन, नर्मदा, मामी, लड़की, लक्ष्मी, गाय, हंसिनी, बकरी, रानी, घोड़ी, कुतिया, बंदरिया आदि।

गाय लड़की माँ

नपुंसकलिंग-
संज्ञा के जिन शब्दों से निर्जीव वस्तु का बोध होता है, उन शब्दों को नपुंसकलिंग शब्द कहा जाता है।
जैसे : कुर्सी, किताब, अलमारी, गाड़ी, मकान, लोहा, चश्मा, सुई, गेंद आदि।

कुर्सी किताब अलमारी

अभ्यास कार्य- निम्नलिखित शब्दों में से लिंग के अनुसार सूची बनाइये-
लोहा, लड़का, पेन्सिल, बकरी, कैंची, कुटिया, सेठ, राजा, गाय, सुई, रानी, घोड़ा, गाड़ी, नर्मदा, चश्मा, पिता, लोहा, कुत्ता, अलमारी, लड़की, रबर, सेठ।

अनुच्छेद-1

रोबोट एक यंत्र होता है। यह ऐसा यंत्र है जो चल सकता है। यह निर्देशों का पालन करता है।निर्देश एक कम्प्यूटर से प्राप्त होते हैं। चूँकि यह एक यंत्र है, इसलिए यह त्रुटियाँ नहीं करता। यह थकता नहीं और यह शिकायत नहीं करता। कुछ रोबोट्स का उपयोग चीजें बनाने में होता है। रोबोट कार बनाने में सहायक हो सकते हैं। कुछ रोबोट ज्वालामुखी जैसे खतरनाक स्थानों की खोज में काम में लाए गए हैं। कुछ रोबोट्स का उपयोग चीजों को साफ करने में किया जाता है। ये रोबोट आपके घर की सफाई करने में सहायक हो सकते हैं। कुछ रोबोट्स शब्दों की पहचान तक कर सकते हैं। वे टेलीफोन कॉलों के उत्तर देने में प्रयुक्त हो सकते हैं। कुछ रोबोट्स मनुष्यों जैसे दिखते हैं , किंतु अधिकांश रोबोट्स यंत्रों जैसे ही दिखते हैं। जॉर्ज देवोल ने सन् 1954 में पहला रोबोट बनाया और उसको नाम दिया गया यूनिमेट। इसका उपयोग कारें बनाने में हुआ। भविष्य में ऐसे रोबोट भी बहुत होंगे जो आग बुझाने, युद्ध में लड़ने और बीमारी से लड़ने में समर्थ हों। वे जीवन को और भी सुंदर बनाने में सहायक होंगे।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q1. 'खतरनाक' शब्द का विलोम है -

(1) मुक्त (2) सुंदर
(3) भद्दा (4) सुरक्षित

Q2. पहला रोबोट कब बनाया गया?

(1) 1954 (2) 1900
(3) 2003 (4)2000

Q3. पहले रोबोट का नाम क्या था ?

(1) जाइंट आर्म (2) यूनिमेट
(3) रोबोट (4) स्पेशल

Q4. पहले रोबोट का उपयोग हुआ-

(1)फोन कॉल उत्तर देने (2) ज्वालामुखी अन्वेषण में
(3) चीजें साफ करने में (4) कारों के निर्माण में

Q5. अनुच्छेद से वह शब्द छाँटिए जिसका अर्थ है- 'पता लगाना'-

(1) खोजना (2) पहचानना
(3) निर्देश देना (4) शिकायत करना

अनुच्छेद-2

किसी गाँव में बाज़ार लगने के दिन बच्चे, महिलाएँ और पुरुष आनंदित रहते हैं। कृषकों के लिए यह अपनी सब्जियों और अनाज तथा उन सारी वस्तुओं को बेचने के लिए अच्छा स्थान है जो वे अपने खेतों में उगाते हैं । बड़े सबेरे किसान अपनी बैलगाड़ियों और ट्रैक्टरों पर अनाज भरे बोरे और फलों तथा सब्जियों से भरी टोकरियाँ लाद देते हैं। वे अपनी उन बकरियों और भेड़ों, गाय-भैंसों तथा मुर्गियों को भी ले जाते हैं, जिन्हें वे बाज़ार में बेचना चाहते हैं। बाज़ार से उन्हें कुछ चीजें खरीदनी भी होती हैं। उन्हें कपड़ों और मसालों की और बहुत सारी घरेलू वस्तुओं की आवश्यकता होती है। ये चीजें उनके खेतों में सरलता से उपलब्ध नहीं होती। चूड़ी वाले से महिलाएँ रंगबिरंगी काँच की चूड़ियाँ खरीदती हैं। आग जलाई जाती है, पकौड़े, पूरियाँ और सब्जियाँ पकाई जाती हैं। समोसे और गन्ने का रस भी बड़ा लोकप्रिय होता है। बच्चे अपने दोस्तों के साथ चारों ओर दौड़ते फिरते हैं। झूलों या चक्करदार हिंडोलों पर सवारी करते हैं। बाज़ार का दिन सबको प्रिय होता है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q1. बच्चे बाज़ार में क्या करते हैं ?

(1) सब्जियाँ और अनाज बेचते हैं।
(2) मुर्गियाँ और बकरियाँ खरीदते हैं।
(3) दोस्तों के साथ आस-पास खेलते हैं।
(4) पकौड़े और समोसे बेचते हैं।

Q2. गाँव में बाज़ार का दिन किसानों के लिए अच्छा दिन क्यों होता है?

(1) किसान बाज़ार में अपने मित्रों से मिलते हैं।
(2) यह किसानों के द्वारा उगाई चीज़ों को बेचने के लिए अच्छी जगह है।
(3) किसान बाज़ार में खूब मौज-मस्ती करते हैं।
(4) किसानों को बैठकर समोसे खाने का अवसर मिलता है।

Q3. किसान अपनी सब्जियों और अनाज को बाज़ार में कैसे ले जाते हैं ?

(1) ट्रकों और कारों (2) बैलगाड़ियों और ट्रैक्टरों में
(3) वे सिर पर रख कर (4) मित्र और सहायक

Q4. किसान बाजार में और क्या-क्या ले जाते हैं?

(1) पालतू पशु और मुर्गियाँ (2) फर्नीचर।
(3) कपड़े (4) खिलौने

Q5. निम्नलिखित में से किसका अर्थ 'बोरे' है ?

(1) बक्से (2) थैले
(3) डिब्बे (4) पैकेट

18

शब्द

वर्णों के सार्थक मेल से ही शब्द बनते हैं। शब्द एक या एक से अधिक वर्णों के मेल से बनी स्वतंत्र तथा सार्थक ध्वनि शब्द कहलाती है।

जैसे:- 1- एक वर्ण से निर्मित शब्द- न (नहीं), व (और) आदि।
2- अनेक वर्णों से निर्मित शब्द- बंदर, गीता, पत्र, दिल्ली, आकाश आदि।

शब्दों के भेद- अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं-

1- सार्थक शब्द **2- निरर्थक शब्द**

(क) सार्थक शब्द- जिन शब्दों का कोई न कोई अर्थ होता है, वे सार्थक शब्द होते हैं; जैसे- कमल, रोटी, गाड़ी, चाय, पानी आदि।

(ख) निरर्थक शब्द- जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता, वे निरर्थक शब्द होते हैं; जैसे- वोटी, वाय, वानी, वाड़ी आदि।

आइए कुछ विदेशी शब्दों को जानें-:

अंग्रेजी भाषा से लिए गए शब्द-: रेल, प्लेटफ़ार्म, साइकिल, गैस, स्कूल, डॉक्टर, टेलीफ़ोन आदि।

चीनी भाषा से लिए गए शब्द-: चाय, लीची आदि।

अरबी-फ़ारसी भाषाओं से लिए शब्द-: आसमान, दुकान, नमक, नकल, गुलाब, अफ़सोस, आराम, सर्द आदि।

फ्रांसीसी भाषा से लिए गए शब्द-: इंजीनियर, पुलिस, अंग्रेज़, कारतूस आदि।

तुर्की भाषा से लिए शब्द-: चाकू, कुली, चम्मच, गलीचा, कैंची आदि।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न1- शब्द किसे कहते हैं?
प्रश्न2- सार्थक शब्द किसे कहते हैं?
प्रश्न3- निरर्थक शब्द किसे कहते हैं?
प्रश्न4- अंग्रेजी भाषा के दो शब्द लिखिए।
प्रश्न5- तुर्की भाषा के दो शब्द लिखिए।

19

अनुच्छेद-1

रोबोट एक यंत्र होता है। यह ऐसा यंत्र है जो चल सकता है। यह निर्देशों का पालन करता है।निर्देश एक कम्प्यूटर से प्राप्त होते हैं। चूँकि यह एक यंत्र है, इसलिए यह त्रुटियाँ नहीं करता। यह थकता नहीं और यह शिकायत नहीं करता। कुछ रोबोट्स का उपयोग चीजें बनाने में होता है। रोबोट कार बनाने में सहायक हो सकते हैं। कुछ रोबोट ज्वालामुखी जैसे खतरनाक स्थानों की खोज में काम में लाए गए हैं। कुछ रोबोट्स का उपयोग चीजों को साफ करने में किया जाता है। ये रोबोट आपके घर की सफाई करने में सहायक हो सकते हैं। कुछ रोबोट्स शब्दों की पहचान तक कर सकते हैं। वे टेलीफोन कॉलों के उत्तर देने में प्रयुक्त हो सकते हैं। कुछ रोबोट्स मनुष्यों जैसे दिखते हैं , किंतु अधिकांश रोबोट्स यंत्रों जैसे ही दिखते हैं। जॉर्ज देवोल ने सन् 1954 में पहला रोबोट बनाया और उसको नाम दिया गया यूनिमेट। इसका उपयोग कारें बनाने में हुआ। भविष्य में ऐसे रोबोट भी बहुत होंगे जो आग बुझाने, युद्ध में लड़ने और बीमारी से लड़ने में समर्थ हों। वे जीवन को और भी सुंदर बनाने में सहायक होंगे।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q1. 'खतरनाक' शब्द का विलोम है -

(1) मुक्त (2) सुंदर
(3) भद्दा (4) सुरक्षित

Q2. पहला रोबोट कब बनाया गया?

(1) 1954 (2) 1900
(3) 2003 (4)2000

Q3. पहले रोबोट का नाम क्या था ?

(1) जाइंट आर्म (2) यूनिमेट
(3) रोबोट (4) स्पेशल

Q4. पहले रोबोट का उपयोग हुआ-

(1)फोन कॉल उत्तर देने (2) ज्वालामुखी अन्वेषण में
(3) चीजें साफ करने में (4) कारों के निर्माण में

Q5. अनुच्छेद से वह शब्द छाँटिए जिसका अर्थ है- 'पता लगाना'-

(1) खोजना (2) पहचानना
(3) निर्देश देना (4) शिकायत करना

अनुच्छेद-2

किसी गाँव में बाज़ार लगने के दिन बच्चे, महिलाएँ और पुरुष आनंदित रहते हैं। कृषकों के लिए यह अपनी सब्जियाँ और अनाज तथा उन सारी वस्तुओं को बेचने के लिए अच्छा स्थान है जो वे अपने खेतों में उगाते हैं । बड़े सबेरे किसान अपनी बैलगाड़ियों और ट्रैक्टरों पर अनाज भरे बोरे और फलों तथा सब्जियों से भरी टोकरियाँ लाद देते हैं। वे अपनी उन बकरियों और भेड़ों, गाय-भैंसों तथा मुर्गियों को भी ले जाते हैं, जिन्हें वे बाज़ार में बेचना चाहते हैं। बाज़ार से उन्हें कुछ चीजें खरीदनी भी होती हैं। उन्हें कपड़ों और मसालों की और बहुत सारी घरेलू वस्तुओं की आवश्यकता होती है। ये चीजें उनके खेतों में सरलता से उपलब्ध नहीं होती। चूड़ी वाले से महिलाएँ रंगबिरंगी काँच की चूड़ियाँ खरीदती हैं। आग जलाई जाती है, पकौड़े, पूरियाँ और सब्जियाँ पकाई जाती हैं। समोसे और गन्ने का रस भी बड़ा लोकप्रिय होता है। बच्चे अपने दोस्तों के साथ चारों ओर दौड़ते फिरते हैं। झूलों या चक्करदार हिंडोलों पर सवारी करते हैं। बाज़ार का दिन सबको प्रिय होता है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q1. बच्चे बाज़ार में क्या करते हैं ?

(1) सब्जियाँ और अनाज बेचते हैं।
(2) मुर्गियाँ और बकरियाँ खरीदते हैं।
(3) दोस्तों के साथ आस-पास खेलते हैं।
(4) पकौड़े और समोसे बेचते हैं।

Q2. गाँव में बाज़ार का दिन किसानों के लिए अच्छा दिन क्यों होता है?

(1) किसान बाज़ार में अपने मित्रों से मिलते हैं।
(2) यह किसानों के द्वारा उगाई चीज़ों को बेचने के लिए अच्छी जगह है।
(3) किसान बाज़ार में खूब मौज-मस्ती करते हैं।
(4) किसानों को बैठकर समोसे खाने का अवसर मिलता है।

Q3. किसान अपनी सब्जियों और अनाज को बाज़ार में कैसे ले जाते हैं ?

(1) ट्रकों और कारों (2) बैलगाड़ियों और ट्रैक्टरों में
(3) वे सिर पर रख कर (4) मित्र और सहायक

Q4. किसान बाजार में और क्या-क्या ले जाते हैं?

(1) पालतू पशु और मुर्गियाँ (2) फर्नीचर।
(3) कपड़े (4) खिलौने

Q5. निम्नलिखित में से किसका अर्थ 'बोरे' है ?

(1) बक्से (2) थैले
(3) डिब्बे (4) पैकेट

20

तत्सम शब्द- तत्सम शब्द संस्कृत भाषा के दो शब्दों, तत् + सम् से मिलकर बना है। तत् का अर्थ है - उसके, तथा सम् का अर्थ है समान अत: कहा जा सकता है कि संस्कृत भाषा के वे शब्द जो हिन्दी भाषा में ज्यों के त्यों ले लिए गए है, तत्सम शब्द कहलाते है। **जैसे-** अग्नि, अमूल्य, अज्ञान, कर्पूर, हिन्दी, बांग्ला, मराठी, गुजराती, पंजाबी, तेलगु, कन्नड़, मलयालम आदि ।

तद्भव शब्द- तद्भव शब्द दो शब्दों तत् + भव से मिलकर बना है। जिसका अर्थ है- उससे उत्पन्न । अत: कहा जा सकता है कि संस्कृत-भाषा के वे शब्द जो कुछ परिवर्तन के साथ हिन्दी शब्दावली में आ गए हैं, उसे तद्भव शब्द कहा जाता है। **जैसे:-** अकाज, कचौड़ी, काजल, चाम, चमड़ा, चितेरा, कौड़ी, गहरा आदि।

तत्सम और तद्भव शब्दों को याद करने की ट्रिक व पहचानने के नियम:-

1. तत्सम शब्दों के पीछे **क्ष** वर्ण का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों के पीछे **ख** या **छ** शब्द का प्रयोग होता है।
2. तत्सम शब्दों में **श्र** का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में **स** का प्रयोग हो जाता है।
3. तत्सम शब्दों में **श** का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में **स** का प्रयोग हो जाता है।
4. तत्सम शब्दों में **ष** वर्ण का प्रयोग होता है।
5. तत्सम शब्दों में **ऋ** की मात्रा का प्रयोग होता है।
6. तत्सम शब्दों में **र** की मात्रा का प्रयोग होता है।
7. तत्सम शब्दों में **व** का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में **ब** का प्रयोग होता है।

तत्सम	तद्भव
पुष्कर	पोखर
गर्दभ	गधा
पाषाण	पाहन
चक	चाक
वधू	बहू
अर्द्ध	आधा
ज्योति	जोत
उच्छवास	उसास
प्रहर	पहर
अष्टादश	अठारह
नवीन	नया
अनर्थ	अनाड़ी
फणी	फण
हस्त	हाथ
कुमारी	कुँवारी

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न1- निम्नलिखित शब्दों के तत्सम शब्द लिखिए।

गधा, बहू, आधा, पहर, नया, हाथ, चाक, फण, कुँआरी, पाहन, जोत, उसास।

प्रश्न2- निम्नलिखित शब्दों के तद्भव शब्द लिखिए।

हस्त, अनर्थ, फणी, नवीन, अष्टादश, ज्योति, बधू, गर्दभ, पुष्कर, पाषाण, चक।

21

अनुच्छेद - 1

अप्रैल में, परीक्षाओं से केवल दो सप्ताह पूर्व, स्वामी को लगा कि उसके पिता का स्वभाव बदलकर बहुत खराब हो रहा है। वे बड़े तुनकमिजाज और चिड़चिड़े हो रहे हैं। जब स्वामी को अपनी दादी के साथ बातें करते देखा गया तो उसे कहा गया, "याद रखो बच्चे, परीक्षा होने वाली है। तुम्हारी दादी प्रतीक्षा कर सकती है, परीक्षाएँ नहीं।" यदि उसे अपनी माँ के पीछे चलते देखा गया तो उसे पकड़कर पढ़ने की मेज पर भेज दिया गया। कस्बे की घड़ी के नौ बजाने के बाद यदि कहीं से उसकी आवाज सुनाई दी तो पिता के कमरे से आदेश आता, "स्वामी, तुम अभी तक सोने क्यों नहीं गए ? तुम्हें सुबह जल्दी अवश्य उठना है और थोड़ी पढ़ाई करनी है। एक दिन उसने अपने पिता से पूछा, "आप मेरी परीक्षाओं के बारे में इतने घबराए हुए क्यों हैं?"

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q1. जब कस्बे की घड़ी नौ बजाती तो स्वामी को क्या करना जरूरी था ?

(1) पढ़ाई (2) बिस्तर से उठना
(3) सोने जाना (4) स्कूल जाना

Q2. स्वामी ने कब अनुभव किया कि उसके पिता का स्वभाव बदल रहा है ?

(1) अप्रैल में (2) मई में
(3) जून में (4) जुलाई में

Q3. उसके पिता कैसे हो गए थे ?

(1) प्रसन्न और सरल
(2) उदास और क्रुद्ध
(3) क्रोधी और तुनकमिजाज
(4) तुनकमिजाज और चिड़चिड़े

Q4. स्वामी को जब माँ के पीछे चलते हुए देखा गया तो उसे कहाँ भेजा गया ?

(1) रसोई में (2) मेज पर
(3) पिता के कमरे में (4) सोने के कमरे में

Q5. अनुच्छेद में आदेश' का अर्थ है -

(1) आदर करना (2) दंड देना
(3) पकड़ना (4) हुक्म देना

अनुच्छेद - 2

बहुत समय पहले हमारी नदियाँ ताजा पानी वाली और स्वच्छ थीं; इतनी स्वच्छ कि लोग उनका पानी पीते थे। वे नदियाँ मछलियों से भरी रहती थीं। लोग उन्हें पकड़ते और पकाते थे। समय के साथ-साथ लोगों ने कारखाने और शहर बसाए जो नदियों के जल का उपयोग करते थे। नावों के द्वारा नदियों का उपयोग सामान, कोयला और तेल ले जाने के लिए होता है जो कभी-कभी पानी में गिर जाया करता है। लोग अपना कूड़ा-करकट और गंदा पानी नदी में डाल देते हैं। वे कहते हैं, "हमारे कूड़े से अधिक अंतर नहीं पड़ेगा।" किंतु अब नदियाँ बहुत गंदी हो गई हैं, इतनी कि उनका जल पीने योग्य नहीं रहा और मछलियाँ मर गई हैं। अब नदियाँ कचरे से भर गई हैं जो उन पर तैरता रहता है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q1. 'स्वच्छ' शब्द का विपरीतार्थक है -

(1) गंदा (2) अच्छा
(3) संपन्न (4) भिन्न

Q2. नदियाँ गंदी क्यों हो गई ?

(1) शहरों में कारखाने बना दिए गए हैं।
(2) नदियों में मछलियाँ मर गई ।
(3) नदियों को पार करने के लिए नावों का उपयोग हुआ।
(4) लोगों ने कूड़ा-कचरा नदियों में फेंका।

Q3. लोग नदियों से प्राप्त मछलियाँ खाते थे, क्योंकि -

(1) वे उन्हें नावों से पकड़ सकते थे।
(2) कारखानों से लोगों को सहायता मिली।
(3) नदियों में मछलियाँ मर रही थीं।
(4) नदियों के स्वच्छ जल में मछलियाँ मिलती है।

Q4. कौन सा कथन ठीक है ?

(1) नदियाँ प्रारंभ में गंदी थीं।
(2) प्रारंभ में लोग नदियों का जल पी नहीं पाते थे।
(3) तेल और कूड़ा-कचरा फेंके जाने से नदियाँ गंदी हो गईं।
(4) नदियों में मछलियाँ नहीं थीं क्योंकि लोग उन्हें पकाकर खा गए।

Q5. पहले क्या हुआ ?

(1) नदियों से मछलियाँ चली गईं।
(2) कारखानों की नावें नदियों में उत्तर आई।
(3) नदियाँ स्वच्छ और सुंदर थीं।
(4) शहरों ने अधिक से अधिक कारखाने बना

22

उपसर्ग- जो शब्दांश शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं। उदाहरण के तौर पर हार मूल शब्द है, इसके आगे अलग-अलग शब्दांश लगाकर इससे अनेक शब्द हो सकते हैं।

जैसे- प्र + हार = प्रहार सम् + हार = संहार

उपसर्ग के भेद- हिन्दी भाषा में चार प्रकार के उपसर्ग होते हैं।

1. संस्कृत के उपसर्ग
2. हिंदी के उपसर्ग
3. उर्दू के उपसर्ग
4. संस्कृत के अव्यय

आइए, हिन्दी में प्रयुक्त होने वाले कुछ उपसर्गों की मदद से नए शब्द बनाना सीखें-

उपसर्ग	अर्थ	शब्द-अर्थ
अध	आधा	अधमरा, अधखिला, अधपका
कम	थोड़ा	कमज़ोर, कमदिल, कमखर्च
हम	समान	हमशक्ल, हमदम, हमपेशा
अति	अधिक	अत्यंत, अत्यधिक, अतिरिक्त
अनु	पीछे	अनुकरण, अनुवाद, अनुचर
उप	छोटा	उपप्रधान, उपमंत्री, उपराष्ट्रपति
निर्	रहित	निर्जन, निर्धन, निर्मल
आ	तक, ओर	आजीवन, आचरण, आजन्म
नि	निषेध	निदान, निवास, निबन्ध
परि	चारों ओर	परिजन, परिमाण, परिणाम
सु	अच्छा	सुपुत्र, सुयश, सुकवि
कु	बुरा	कुपुत्र, कुपथ, कुसंग
अन	अभाव, निषेध	अनपढ़, अनदेखा, अनमोल
अप	अभाव, बुरा	अपवाद, अपशब्द, अपमान

अभ्यास प्रश्न- निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग पृथक करके लिखिए-

अधखिला, कमदिल, अत्यंत, उपराष्ट्रपति, अनुचर, निर्मल, अपमान, अधपका, आजन्म, निवास, परिमाण, सुपुत्र, कुपथ, कुसंग, अनमोल, परिजन, निबन्ध।

23

अनुच्छेद-1

28 दिसंबर 1885 को बंबई में इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना की। वहीं इसका पहला अधिवेशन हुआ। इसका सारा प्रबंध ह्यूम ने ही किया। पूरे देश से 72 प्रतिनिधि शामिल हुए। सभापति व्योमेशचंद्र बनर्जी थे। कांग्रेस की नीतियों का प्रचार लेखों और व्याख्यानों के जरिये करते रहे। अंग्रेज हुकूमत उनके और कांग्रेस के सुझावों पर किसी हद तक काम करने लगी। बाद में कांग्रेस स्वतंत्रता संग्राम में पूरी तरह कूद पड़ी। सेनानियों ने उनसे प्रेरणा ली।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए-

1:- इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना कब हुई?

(A)1858 (B)1588
(C)1885 (D)1868

2:-पहला अधिवेशन कहाँ हुआ?

(A)दिल्ली (B)आगरा
(C)बंबई (D)बाराबंकी

3:- पूरे देश से कौन शामिल हुए?

(A)राजा (B)सभापति
(C)प्रबंधक (D)प्रतिनिधि

4:- प्रेरणा का समानार्थी कौन सा शब्द है?

(A)प्रेरक (B)प्रोत्साहन
(C)अभिप्रेरणा (D)प्रार्थना

5:- व्योमेशचंद बनर्जी कौन थे?

(A)सभापति (B)अध्यक्ष
(C)राष्ट्रपति (D)उपराष्ट्रपति

अनुच्छेद-2

एओ ह्यूम का जन्म 1829 में इंग्लैंड में हुआ। 19 साल की उम्र में भारत आ गए। सिविल सेवा में चयनित होने के बाद 1849 में इटावा के तहसीलदार और 1856 में कलेक्टर बने। 1867 तक यहीं रहे। विकास कार्यों के जरिये इटावा की तस्वीर बदल दी। वे सार्वजनिक स्थानों पर फांसी के विरोधी थे। ह्यूम ने अंग्रेज हुक्मरानों को आगाह किया था कि यदि अत्याचार किए गए तो विद्रोह जरूर होगा। ह्यूम गीता और बाइबिल पढ़ते थे। इसका उन पर खासा प्रभाव भी पड़ा। वह भारतीय भोजन पसंद करते थे।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए--

1:- ए ओ ह्यूम का जन्म कब हुआ था?

(A)अमेरिका (B)भारत
(C)इंग्लैंड (D)फिनलैंड

2:- एओ ह्यूम इटावा के तहसीलदार कब बने?

(A)1829 (B)1869
(C)1856 (D)1849

3:- हयूम कौन सी किताबें पढ़ते थे?

(A)बाइबल और कुरान
(B)गीता और बाइबिल
(C)गीता और महाभारत
(D)गीता और कुरान

4:- ह्यूम ने किस चीज का विरोध किया?

(A)फांसी का (B)बाल विवाह
(C)सती प्रथा (D)कत्ल का

5:- किस चीज में उनका चयन नहीं हुआ?

(A)तहसीलदार (B)कलेक्टर
(C)सिविल सेवा (D)थानेदार

24

प्रत्यय- ऐसे शब्दांश जो कि किसी शब्द के अंत में लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहा जाता है। **जैसे-** त्व, आ, इया, वाला, ना, नी, ता आदि।

प्रत्यय के भेद-: 1. कृत प्रत्यय 2. तद्धित प्रत्यय

1- कृत प्रत्यय- क्रिया अथवा धातु के बाद जो प्रत्यय लगाये जाते हैं, उन्हें कृत्-प्रत्यय कहते हैं। कृत्-प्रत्यय के मेल से बने शब्दों को **कृदंत** कहते हैं।
जैसे-: अक = लेखक, नायक, गायक, अक्कड़ = भुलक्कड़, घुमक्कड़

2- तद्धित प्रत्यय- संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण के अंत में लगने वाले प्रत्यय को 'तद्धित' कहा जाता है। तद्धित प्रत्यय के मेल से बने शब्द को **तद्धितांत** कहते हैं। **जैसे-:** लघु + ता = लघुता, बड़ा + आई = बड़ाई

प्रत्यय	उदाहरण	प्रत्यय	उदाहरण
अक	गायक, नायक, पाठक	ईन	नमकीन, रंगीन, शौकीन
आकू	पढ़ाकू, लड़ाकू, उड़ाकू	वाला	सब्ज़ीवाला, फलवाला, रिक्शावाला
आई	लड़ाई, पढ़ाई, चतुराई		
आवट	सजावट, बनावट, लिखावट	कार	चित्रकार, साहूकार, नाटककार
आहट	घबराहट, चिल्लाहट, मुस्कुराहट	ईला	चमकीला, रंगीला, सुरीला
		दार	चौकीदार, ईमानदार, तहसीलदार
एरा	लुटेरा, सपेरा, ममेरा		
ता	ममता, सुंदरता, मानवता	आवा	पहनावा, दिखावा, पछतावा
ईला	रंगीला, रसीला, भड़कीला	अक्कड़	भुलक्कड़, घुमक्कड़, कुदक्कड़
आव	चुनाव, कटाव, बहाव		
इक	दैनिक, धार्मिक, सामाजिक	इया	डिबिया, खटिया, लुटिया
		इन	मालिन, धोबिन, सुनारिन

अभ्यास प्रश्न- निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय पृथक करके लिखिए–
गायक, फलवाला, डिबिया, सामाजिक, सजावट, साहूकार, घबराहट, ममता, ममेरा, बहाव, बनावट, मालिन, कटाव, नाटककार, पाठक, मानवता, सपेरा।

25

अनुच्छेद-1

दीपक उत्साहित था। वह अपने चाचाजी और चचेरे भाई-बहन प्रीता और रिया के साथ रविवार को पिकनिक पर जा रहा था। उसने अपने तैराकी के सामान, नाश्ते और खेलने के सामान को अपने एक पिट्ठू बैग में रख लिया। वे सुबह छः बजे चल दिए।बहुत दूर तक गाड़ी चलाने के बाद वे पिकनिक के स्थान पर सुबह नौ बजे पहुँच गए। यहाँ गाँव में एक फार्महाउस था। उन्होंने गाँव के चारों ओर घूमकर धान के खेत देखे और जाना कि चावल कैसे उगाया जाता है। वे पेड़ों पर चढ़े और आम तथा अमरूद तोड़े।दोपहर को एक पेड़ के नीचे बैठकर उन्होंने दोपहर का भोजन किया। जब चाचाजी ने कहा कि अब घर लौटने का समय है तो वे और देर तक ठहरना चाहते थे क्योंकि उन्हें गाँव बहुत अच्छा लगा।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. 'उत्साहित' शब्द का अर्थ है –

(A) विश्वस्त (B) बहुत प्रसन्न
(C) व्यस्त (D) निराश

2. दीपक और उसके चचेरे भाई-बहन.....।

(A) गाँव में ऊब गए
(B) ने पिकनिक का आनन्द लिया
(C) घर वापस आना चाहते थे
(D) पेड़ों पर न चढ़ सके

3. दीपक अपने ..... के साथ पिकनिक पर गया।

(A) माता-पिता (B) चचेरे भाई-बहन
(C) मित्रों (D) बहन

4. पिकनिक का स्थान एक ..... में था।

(A)पार्क (B)समुद्र-तट
(C)गाँव (D)तरण-ताल

5. चाचाजी ने दीपक को दिखाया कि कैसे.....

(A) हम खातें हैं। (B) तैरते हैं।
(C) गाड़ी चलाते हैं। (D) चावल उगाते हैं।

अनुच्छेद-2

शरद् ऋतु में बहुत-से परिवर्तन होते है। दिन छोटे हो जाते हैं। पेड़ों की पत्तियाँ हरे रंग से बदलकर जीवन्त लाल, पीली और नारंगी हो जाती हैं। वस्तुतः पत्तियों को हरा बनाए रखने के लिए पेड़ों को धूप चाहिए। धूप के बिना पत्तियाँ पीली हो जाती है। घास पर अब ओस नहीं बिछी होती, बल्कि प्रायः प्रत्येक प्रातः काल को पाला पड़ता है क्योंकि तापमान हिमबिन्दु तक जा पहुँचता है। पशु जाड़े के लम्बे महीनों के लिए पर्याप्त भोजन एकत्र करने लगते हैं। ये परिवर्तन तब होते है जब हम ग्रीष्मकाल की गर्मी से शीतकाल की सर्दी के अनुकूल हो रहे होते हैं।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. ग्रीष्म और ..... के बीच शरद् ऋतु आती है।

(A) जनवरी (B) वसंत
(C) शीत (D) अयनांत

2. शरद् ऋतु में निम्नलिखित में से क्या परिवर्तन हो सकता है ?

(A) दिन छोटे होते हैं
(B) इसमें बहुत गर्मी पड़ती है
(C) दिन बड़े होते हैं
(D) अधिक धूप होती है

3. शरद् ऋतु में पत्तियाँ पीली हो जाती हैं, क्योंकि-

(A) उन्हें पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती
(B) उन्हें पर्याप्त प्रकाश नहीं मिलता
(C) उन्हें पर्याप्त जल नहीं मिलता
(D) उनमें बहुत अधिक ऑक्सीजन एकत्रित होती है।

4. शरद् ऋतु के बीतने की तैयारी करते हुए पशु क्या करते हैं ?

(A)भोजन एकत्र करते हैं (B)कम भोजन खाते हैं
(C) फर गिरा देते हैं (D) रंग बदल लेते हैं

5. 'बिछी होती' के लिए दूसरा शब्द हो सकता है ?

(A) घासी वाली (B) ऊनी
(C) ढकी हुई (D) बढ़ती हुई

26

विलोम शब्द- एक-दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते है अर्थात् जो शब्द किसी दूसरे शब्द का उल्टा अर्थ बताते हैं, उन्हें विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहते है। जैसे:- काला-सफेद, अमीर-गरीब आदि।

विलोम शब्दों का निर्माण निम्नलिखित विधिओं के द्वारा किया जाता है-

1. स्वतन्त्र विलोम शब्द- इस प्रकार के विलोम शब्दों की अनुलोम शब्दों से किसी प्रकार की स्वभावगत् या रूपगत् समानता नहीं होती तथा वह अनुलोम की रूपप्रवृति से स्वतन्त्र होती है। **जैसे-:** गुण-दोष, जन्म-मृत्यु, असली-नकली, आज-कल, छोटा-बड़ा।

2. लिंग परिवर्तन के आधार पर बने विलोम शब्द- इसमें ऐसे शब्द आते हैं जिनमें शब्द के लिंग बदल कर या परिवर्तन कर उनका उल्टा अर्थ निकाला जाता है। **जैसे-** बेटा से बेटी, पति से पत्नी, नर से नारी, माता से पिता, बहन से भाई, रानी से राजा आदि।

3. उपसर्गों से बने विलोम शब्द- इस प्रकार के विलोम शब्द में उपसर्ग लगाकर निर्मित किये जाते हैं। अनुलोम शब्दों में उपसर्ग का प्रयोग कर विलोम शब्दों को निर्मित किया जाता है। **जैसे-** अनुकूल का उल्टा प्रतिकूल, अनुराग का उल्टा विराग, सुरुचि का कुरुचि, अनाथ का सनाथ आदि।

4. विभिन्न जातीय शब्दों के अनुसार बनने वाले विलोम शब्द- जब जातीय शब्दों के आधार पर विलोम शब्दों क निर्माण होता है तो उन्हें विभिन्न जातीय शब्दों के अनुसार बनने वाले विलोम शब्द कहा जाता है। **जैसे-:** अधिक-कम, आजाद-गुलाम, ऊपर-नीचे, आगे-पीछे, कड़वा-मीठा, मीठा-नमकीन आदि।

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आदान	प्रदान	प्रेम	घृणा	न्याय	अन्याय
इच्छा	अनिच्छा	जन्म	मरण	नाम	कुनाम
उतार	चढ़ाव	हार	जीत	पक्ष	विपक्ष
ऊँच	नीच	बायाँ	दायाँ	प्रिय	अप्रिय
अनेक	एक	रात	दिन	मित्र	शत्रु
कच्चा	पक्का	ठोस	तरल	मार्ग	कुमार्ग
क्रय	विक्रय	सज्जन	दुर्जन	महात्मा	दुरात्मा

अभ्यास प्रश्न- निम्नलिखित शब्दों का विलोम शब्द लिखिए।

न्याय, गुण, आदान, नर, इच्छा, नाम, उतार, ऊँच, पक्ष, अनेक, कच्चा, क्रय, प्रिय, प्रेम, जन्म, मित्र, हार, बायाँ, रात, बेटा, महत्मा, ठोस, सज्जन, मार्ग।

27

अनुच्छेद-1

बहुत समय पहले जंगल में एक विशाल पेड़ था। यह इतना ऊँचा था कि बादलों तक लगभग पहुँच जाता था। आज हम उसे लाल चंदन कहते हैं क्योंकि उसकी लकड़ी लाल दिखाई पड़ती है। "मैं यहाँ क्यों हूँ?" लाल चंदन ने पूछा, दुःख है कि किसी ने उसे नहीं सुना। "मेरा काम क्या है? मैं क्या भला कर सकता हूँ?" किसी ने उत्तर नहीं दिया। लाल चंदन का पेड़ बहुत साल तक खड़ा रहा। सभी पेड़ों के पत्ते बर्फ के कारण झड़ गए। पर इसके पास पत्तियाँ नहीं, बड़ी सुइयाँ थी और वह पूरे साल ऐसे ही बना रहा। इसलिए पक्षियों को वह पेड़ पसंद था। इन बरसों में पक्षियों के सैकड़ों परिवारों ने उसे अपना घर बनाया। यह पक्षियों के बहुत बड़े होटल जैसा था। सूर्यास्त के समय पक्षियों के चहचहाने की आवाज इतनी ऊँची होती थी कि हिरन अपनी पीठ को पेड़ से नहीं रगड़ पाते थे। चिड़ियों के शोर से उनके कान खराब हो जाते।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. इस अनुच्छेद में वर्णन है

(A) लाल चंदन के पेड़ जंगलों के लिए महत्वपूर्ण क्यों है ?
(B) लोग लाल चंदन के पेड़ों का अपने घर बनाने में कैसे उपयोग करते हैं ?
(C) लाल चंदन के पेड़ में पक्षी कैसे खुश रहते थे ?
(D) लाल चंदन की हरी पत्तियाँ कितनी नुकीली थीं ?

2. कहानी के प्रारंभ में कौन-सा शब्द लाल चंदन के मन के भाव को अच्छे से बताता है ?

(1) मज़ेदार (2) क्रुद्ध
(3) प्रसन्न (4) दुःख

3. पक्षी प्रसन्न क्यों रहते थे ?

(A) पक्षियों को खाने के लिए बहुत बीज मिल जाते थे।
(B) पेड़ साल भर हरा रहता था।
(C) पेड़ की पत्तियाँ हिम से गिर जाती थीं।
(D) पेड़ बहुत ऊँचा था।

4. जंगल में उस विशाल पेड़ का नाम 'लाल चंदन' क्यों पड़ा ?

(1) ऊँचाई के कारण।
(2) पेड़ के भीतर की लकड़ी लाल थी।
(3) उसकी पत्तियाँ सुइयों जैसी थीं।
(4) इसमें लाल पक्षियों के परिवार रहते थे।

5. जंगल में हिरन अप्रसन्न क्यों था ?

(1) उसके छिपने की कोई जगह न थी।
(2) पक्षियों का शोर उसके कानों को चुभता था।
(3) उसे पर्याप्त धूप नहीं मिलती थी।
(4) वह लाल चंदन के पत्ते नहीं खा सकता था।

अनुच्छेद-2

भूरा भालू एक सर्वभक्षी पशु है। इसका अर्थ यह है कि वह पौधों और पशु दोनों का भोजन करता है। क्योंकि वह अपने आवास क्षेत्र का प्रधान पशु है, वह बड़े पशुओं का भी शिकार कर सकता है। फिर भी आमतौर पर..... छोटे पशुओ या पौधों का ही भोजन करता है। जो भी भोजन भूरा भालू करता है, उसका बड़ा पेट भरने के लिए उसकी मात्रा बहुत अधिक होती है। अक्सर इसका भोजन छोटी मात्राओं में प्राप्त होता है, इसलिए भोजन की खोज कभी समाप्त नहीं होती। बसंत ऋतु में भूरे भालू घास, पत्तियाँ, जड़ें तथा काई खाते हैं। अक्सर चीटियों, भृंगों, झींगुरों और दूसरे कीटों की तलाश में वे छोटे पत्थरों और बड़ी चट्टानों को भी पलट देते हैं।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. भूरा भालू खाता है-

(A) पौधे और पशु दोनों।
(B) केवल बड़े पशु।
(C) केवल बहुत छोटे पशु।
(D) केवल पत्तियाँ और काई।

2. यह बड़े पशुओं का शिकार भी कर सकता है-

(1) क्योंकि इसका आकार बड़ा होता है।
(2) क्योंकि वे आसानी से मिल जाते हैं।
(3) प्रधान पशु होने के कारण।
(4) क्योंकि उनसे अधिक भोजन मिलता है।

3. भूरे भालू ..... ऋतु में प्रायः घास, पत्तियाँ, जड़े, आदि खाते हैं।

(A) वर्षा
(B) बसंत
(C) शीत
(D) ग्रीष्म

4. वे चट्टानों के नीचे से ..... को नहीं खाते।

(A) पौधों
(B) काई
(C) भृंग
(D) कीट

5. 'सर्वभक्षी' वह है जो

(A) केवल पौधे खाता है।
(B) केवल कीट खाता है।
(C) पशु और पौधे दोनों खाता है।
(D) केवल पशु खाता है।

28

अव्यय/अविकारी शब्द-

अव्यय या अविकारी शब्द का अर्थ है- विकार रहित या परिवर्तन रहित शब्द। ऐसे शब्द जिनमें लिंग, वचन, कारक तथा काल आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं।

जैसे- (1) वह तेज भागता है। (2) वाह! क्या सुन्दर दृश्य है। (3) रोमा और मीशा पक्के मित्र हैं। (4) मैं भी चलूँगा। (5) विद्यालय के पीछे पेड़ है।

उपर्युक्त वाक्यों में शब्द तेज़, वाह!, और, भी, और के पीछे अविकारी शब्द हैं। इन शब्दों पर लिंग, वचन, काल या कारक आदि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

अव्यय के पाँच भेद हैं- 1. क्रियाविशेषण 2. सम्बन्धबोधक 3. समुच्चयबोधक(योजक) 4. विस्मयादिबोधक 5. निपात।

1. क्रिया विशेषण- जो शब्द क्रिया की विशेषता को प्रकट करते हैं. उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं। जैसे:- (1) राधा सुन्दर लिखती है। (2) राम यहाँ रहता है।
उपर्युक्त वाक्यों में दिए गए शब्द सुन्दर और यहाँ क्रिया की विशेषता का बोध कराते हैं। इसलिए ये क्रिया विशेषण शब्द कहलाते हैं।

2.सम्बन्ध बोधक- जो अविकारी शब्द संज्ञा या सर्वनाम के साथ लगकर उनका सम्बन्ध वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ बताते हैं, उन्हें सम्बन्ध बोधक शब्द कहते हैं।
जैसे:- (1) राम के साथ सीता भी वन को गईं। (2) सुरेन्द्र दिन-भर काम करता रहा।
उपरोक्त वाक्यों में दिए गए शब्द साथ और दिनभर वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ सम्बन्ध बताते हैं। अतः ये सम्बन्ध बोधक कहलाते हैं।

3.समुच्चय बोधक- जो शब्द दो शब्दों, दो वाक्यांशों या दो वाक्यों को मिलाते हैं, उन्हें समुच्चय बोधक या योजक कहते हैं। जैसे:- (1) अमर के पिता जी धनवान हैं पर हैं कंजूस। (2) रमा ने बहुत परिश्रम किया, परन्तु पास न हो सकी।
उपरोक्त वाक्यों में पर और परन्तु शब्द वाक्यों को जोड़ रहे हैं, इसलिए ये समुच्चय बोधक अव्यय हैं। इन्हें योजक कहते हैं।

4. विस्मयादिबोधक- जिन शब्दों से हर्ष, शोक, विस्मय, ग्लानि, घृणा आदि भावों का बोध होता है, उन्हें विस्मयादिबोधक शब्द कहते हैं। जैसे-: (1) अरे! आप इतनी जल्दी आ गए। (2) उफ़! वह अचानक चल बसा।
उपरोक्त वाक्यों में उफ़! और अरे! शब्द आए हैं, जो हैरानी, शोक, घृणा, भय तथा हर्ष के भाव को प्रकट करते हैं। इसलिए ये विस्मयादिबोधक हैं।

अभ्यास प्रश्न- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अव्यय किसे कहते हैं? 2. अव्यय के कितने भेद होते हैं? 3. क्रिया विशेषण की क्या विशेषता है?

29

अनुच्छेद -1

मैं बाथरूम में खड़ी थी और माँ मुझे साबुन से रगड़ रही थी। लगता था जैसे वे रोगाणुओं के विरुद्ध युद्ध कर रही हों। माँ चाहती थी कि मैं बिलकुल साफ हो जाऊँ ताकि वे सफेद चादरे गंदी न हो जाएँ जिन्हें उन्होंने पत्थर से रगड़ रगड़कर धोया था। जब मेरा स्नान समाप्त हो गया तो मैं अपने बिस्तर पर अकेली लेट गई। मैंने पहले अपने तकिये से बातें की, फिर अपने काल्पनिक मित्र से और अंत में अपने बिस्तर के नीचे छिपे ड्रैगन से जो असल में मेरा मित्र था। मेरी माँ को स्वच्छता की सनक है और वह घर में थोड़ी-सी भी धूल नहीं रहने देतीं। धूल के विरुद्ध उनकी लड़ाई खाना पकाने की उनकी धुन के समान है। हमारे घर में सदा भोजन की सुगंध रहती थी जिसे वे स्वयं बड़ी सावधानी से पकातीं या फिर बेक करती थीं। उनके बनाए केकों, बिस्कुटों या कपकेकों की मोहल्ले में चर्चा रहती थी। मुझे उनके केक और चॉकलेट कुकी बहुत प्रिय थे, जो मेरे मुँह में ही पिघल जाते थे। वह बड़ी उदार थी और हमारे पड़ोसियों को सदैव ताजे बने बिस्कुटों की खेप मिल जाया करती थी।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. हमें कैसे पता होता है कि माँ को खाना पकाना प्रिय है?
(A) उसके घर से सदा भोजन की गंध आती थी।
(B) वह नियमित रूप से खाना बनाती थी।
(C) वह अपना घर साफ-सुथरा रखती थी।
(D) वह पड़ोसियों को उदारतापूर्वक देती रहती थी।

2. माँ बच्ची को सदा बहुत स्वच्छ रखना चाहती थी, क्योंकि-
(1) बच्ची सदा अस्वच्छ रहती थी।
(2) वह नहीं चाहती थी कि उसकी चादरें गंदी हों।
(3) वह चाहती थी कि वह ठीक से सो सके।
(4) वह चाहती थी कि बच्ची स्वच्छ बनकर स्कूल जाए।

3. अपने नहा लेने के बाद बच्ची क्या नहीं करती थी ?
(A) काल्पनिक मित्र से बातें
(B) माँ से बातें
(C) तकिये से बातें
(D) ड्रैगन से बातें

4. पड़ोसी किसके बारे में चर्चा करते थे ?
(A) माँ की स्वच्छता के बारे में।
(B) बच्ची की स्वच्छता के बारे में।
(C) माँ की बेक की हुई चीज़ों के बारे में।
(D) बच्ची की कल्पना के बारे में।

5. 'सनक' होना का अर्थ है-
(A) सदा क्रोध करना
(B) निरंतर चिंतित रहना
(C) सबसे घृणा करना
(D) सबको पसंद करना

अनुच्छेद -2

किसी गाँव में बाज़ार लगने के दिन बच्चे, महिलाएँ और पुरुष आनंदित रहते हैं। कृषकों के लिए यह अपनी सब्जियाँ और अनाज तथा उन सारी वस्तुओं को बेचने के लिए अच्छा स्थान है जो वे अपने खेतों में उगाते हैं । बड़े सबेरे किसान अपनी बैलगाड़ियों और ट्रैक्टरों पर अनाज भरे बोरे और फलों तथा सब्जियों से भरी टोकरियाँ लाद देते हैं। वे अपनी उन बकरियों और भेड़ों, गाय-भैंसों तथा मुर्गियों को भी ले जाते हैं, जिन्हें वे बाज़ार में बेचना चाहते हैं। बाज़ार से उन्हें कुछ चीजें खरीदनी भी होती हैं। उन्हें कपड़ों और मसालों की और बहुत सारी घरेलू वस्तुओं की आवश्यकता होती है। ये चीजें उनके खेतों में सरलता से उपलब्ध नहीं होती।

चूड़ी वाले से महिलाएँ रंगबिरंगी काँच की चूड़ियाँ खरीदती हैं। आग जलाई जाती है, पकौड़े, पूरियाँ और सब्जियाँ पकाई जाती हैं। समोसे और गन्ने का रस भी बड़ा लोकप्रिय होता है। बच्चे अपने दोस्तों के साथ चारों ओर दौड़ते फिरते हैं। झूलों या चक्करदार हिंडोलों पर सवारी करते हैं। बाज़ार का दिन सबको प्रिय होता है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. बच्चे बाज़ार में क्या करते हैं ?
(A) सब्जियाँ और अनाज बेचते हैं।
(B) मुर्गियाँ और बकरियाँ खरीदते हैं।
(C) दोस्तों के साथ आस-पास खेलते हैं।
(D) पकौड़े और समोसे बेचते हैं।

2. गाँव में बाज़ार का दिन किसानों के लिए अच्छा दिन क्यों होता है?
(A) किसान बाज़ार में अपने मित्रों से मिलते हैं।
(B) यह किसानों के द्वारा उगाई चीज़ों को बेचने के लिए अच्छी जगह है।
(C) किसान बाज़ार में खूब मौज-मस्ती करते हैं।
(D) किसानों को बैठकर समोसे खाने का अवसर मिलता है।

3. किसान अपनी सब्जियों और अनाज को बाज़ार में कैसे ले जाते हैं ?
(A) अपने ट्रकों और कारों में।
(B) अपनी बैलगाड़ियों और ट्रैक्टरों में।
(C) वे अपने सिर पर ले जाते हैं।
(D) मित्र और सहायक ले जाते हैं।

4. किसान बाजार में और क्या-क्या ले जाते हैं?
(A) पालतू पशु और मुर्गियाँ (B) फर्नीचर
(C) कपड़े (D) खिलौने

5. निम्नलिखित में से किसका अर्थ 'बोरे' है ?
(A) बक्से (B) थैले
(C) डिब्बे (D) पैकेट

30

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक मिशन शिक्षण संवाद विषय - हिन्दी

प्राथमिक स्तर क्रमांक - 019 टॉपिक - वचन

वचन-शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं। हिन्दी में वचन दो प्रकार के होते हैं-1. एकवचन 2. बहुवचन

1. एकवचन- शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे- कुत्ता, घोड़ा आदि।

एक कुत्ता

एक घोड़ा

2. बहुवचन- शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे- कुत्ते, घोड़े आदि।

बहुत से कुत्ते

बहुत से घोड़े

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
अध्यापिका	अध्यापिकाएँ	कलम	कलमें
अबला	अबलाएँ	कला	कलाएँ
आँख	आँखें	तिथि	तिथियाँ
आत्मा	आत्माएँ	रीती	रीतियाँ
उँगली	उँगलियाँ	नारी	नारियाँ
ऋषि	ऋषि लोग	गति	गतियाँ
औज़ार	औज़ार	नीति	नीतियाँ
कथा	कथाएँ	कली	कलियाँ
कन्या	कन्याएँ	थाली	थालियाँ
कपड़ा	कपड़े	लड़की	लड़कियाँ
कर्मचारी	कर्मचारीवर्ग	नदी	नदियाँ

अभ्यास प्रश्न- निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए-

कथा, सड़क, रोटी, चाबी, चिड़िया, कविता, पुस्तक, पंखा, महिला, कन्या, कलम, कला, लड़की, कली, नारी, कला, नदी, कलम, तिथि, गति, घोड़ा, कुत्ता, ।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, #9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

31

अनुच्छेद-1

भारत एक अत्यन्त प्राचीन देश है। इसका पुराना नाम आर्यावर्त है। आर्यावर्त के निवासी आर्य कहलाए। मुस्लिम शासकों ने इसे हिंद, हिंदुस्तान या हिंदोस्तान का नाम दिया। अंग्रेज़ों ने इसे 'इंडिया' के नाम से विख्यात किया। वास्तव में भारत का नाम राजा दुष्यंत के वीर पुत्र 'भरत' के नाम पर पड़ा। अनेक विदेशी शासकों ने इसकी सभ्यता और संस्कृति को मिटाने का प्रयत्न किया, परंतु इसकी संस्कृति नष्ट न हो सकी। भारत देश ऋषि-मुनियों, साधु-संतों, महापुरुषों आदि का देश है। यह देश देवी-देवताओं का भी दुलारा है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भारत का पुराना नाम क्या है?
(A) आर्यावर्त (B) हिंद
(C) हिंदुस्तान (D) इंडिया

2. भरत किसके पुत्र थे?
(A) राजा दुष्यंत (B) आर्यावर्त
(C) राजा जनक (D) सिद्धार्थ

3. अंग्रेजों ने भारत का क्या नाम दिया?
(A) भारत (B) हिंदुस्तान
(C) इंडिया (D) हिंद

4. वीर का विलोम क्या है?
(A) साहसी (B) निर्भीक
(C) कायर (D) बहादुर

5. प्रयत्न का समानार्थी शब्द क्या है?
(A) प्रयास (B) प्रोन्नति
(C) रत्न (D) प्रसार

अनुच्छेद-2

द्वीप में उगने वाली छोटी घास तथा कँटीली पत्तियों को बकरियाँ चरती थीं। कुछ मुर्गियाँ उनका पीछा करती थीं। वहाँ एक तरबूज का और एक सब्जियों का खेत था। द्वीप के बीच में एक पीपल का पेड़ था। यह वहाँ अकेला पेड़ था। बड़ी बाढ़ के दिनों में भी जबकि पूरा द्वीप पानी में डूब गया था, पेड़ दृढ़ता से खड़ा रहा। यह बूढ़ा पेड़ था। लगभग पचास वर्ष पूर्व बलशाली हवाएँ एक बीज को वहाँ उड़ाकर ले गईं, उसे दो चट्टानों के बीच शरण मिल गई, वहाँ उसने जड़ें जमा दीं और एक छोटे परिवार को छाया और शरण देने के लिए वह बड़ा हो गया।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. पीपल का पेड़ किसने लगाया?
(A) किसान परिवार ने
(B) नाविक ने
(C) हवा और प्रकृति ने
(D) नदी के पानी ने

2. 'शरण' का अर्थ है
(A) मकान (B) सुरक्षा
(C) छाया (D) वर्षा

3. बकरियाँ क्या खाती थीं?
(A) पीपल के पत्ते (B) तरबूज
(C) घास और कँटीली पत्तियाँ (D) सब्जियाँ

4. पीपल का पेड़ कितना पुराना था?
(A) बीस वर्ष (B) पचास वर्ष
(C) पाँच वर्ष (D) दस वर्ष

5. द्वीप पर कौन रहता था?
(A) एक नाविक
(B) किसानों का बड़ा परिवार
(C) एक मछुआरा
(D) एक छोटा परिवार

32

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक मिशन शिक्षण संवाद विषय - हिन्दी

प्राथमिक स्तर क्रमांक - 020 टॉपिक - वचन

एकवचन से बहुवचन बनाने के नियम👉

1. अंत के 'आ' के स्थान पर 'ए' लगाकर

एकवचन	बहुवचन
कपड़ा	कपड़े
भाला	भाले
लड़का	लड़के
नाला	नाले
बेटा	बेटे
गमला	गमले

2. अंत के 'अ' के स्थान पर 'एँ' लगाकर

एकवचन	बहुवचन
आँख	आँखें
दवात	दवातें
सड़क	सड़कें
पुस्तक	पुस्तकें
कलम	कलमें
गाय	गाएँ

3. अंत के 'ई' के स्थान पर 'इयाँ' लगाकर

एकवचन	बहुवचन
नदी	नदियाँ
नारी	नारियाँ
पुत्री	पुत्रियाँ
बेटी	बेटियाँ
सखी	सखियाँ
कली	कलियाँ

4. अंत में 'एँ' जोड़कर

एकवचन	बहुवचन
लता	लताएँ
सभा	सभाएँ
कथा	कथाएँ
कन्या	कन्याएँ
माला	मालाएँ
महिला	महिलाएँ

5. उकारांत, ऊकारांत, औकारांत शब्दों के अंत में 'एँ' जोड़कर

एकवचन	बहुवचन
धेनु	धेनुएँ
गौ	गौएँ
वधू	वधुएँ
वस्तु	वस्तुएँ
बहु	बहुएँ

6. वृंद, वर्ग, जन, लोग, गण आदि शब्द जोड़कर

एकवचन	बहुवचन
अध्यापक	अध्यापकगण
मज़दूर	मज़दूरवर्ग
प्रजा	प्रजाजन
छात्र	छात्रगण
गुरु	गुरुजन

अभ्यास प्रश्न-

1. निम्नलिखित शब्दों के एकवचन शब्द लिखिए- नदियाँ, बेटे, कपड़े, गुरूजन, गमले, कलमें।
2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन शब्द लिखिए- छात्र, गौ, दवात, भाला, कथा, सखी, माला।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, #9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

33

अनुच्छेद-1

शरीर का भार कम करने या स्वस्थ भार बनाये रखने के लिए केवल दो साधारण नियम हैं। वे हैं काम करना और शर्करा वाला सन्तुलित भोजन करना और अधिक व्यायाम करना। भार कम करने के लिए आपको भूखे रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। यदि आप चीनी, केक, बिस्कुट कम लें तथा अधिक फल और सब्जियाँ खाएँ और पर्याप्त पानी पिएँ, तो आपका भार कम हो जाएगा और आप अधिक स्वस्थ हो जाओगे। प्रतिदिन सैर के लिए जाएँ या साइकिल चलाये। टेलीविजन देखने या वीडियो गेम्स खेलने के स्थान पर अधिक सक्रिया रहें।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. हम स्वस्थ कैसे रह सकते हैं ?
(A) केवल बिस्कुट खाकर
(B) केवल व्यायाम करके
(C) सन्तुलित भोजन खाकर और व्यायाम करके
(D) अधिक फल खाकर

2. भार कम करने के लिए हमें क्या अधिक खाना चाहिए?
(A) चीनी और केक
(B) फल और सब्जियाँ
(C) बिस्कुट और चीनी
(D) बिस्कुट और फल

3. स्वस्थ रहने के लिए हमें क्या अधिक पीना चाहिए?
(A) सब्जियों का रस (B) पानी
(C) फलों का रस (D) कोला पेय

4. कौन-सा व्यायाम सबके लिए अच्छा है ?
(A) विज्ञापन
(B) सैर करना और साइकिल चलाना
(C) पतंग उड़ाना
(D) वीडियो गेम्स खेलना

5. 'सक्रिय' शब्द का विलोम शब्द क्या है?
(A) सुस्त (B) निष्क्रिय
(C) इच्छुक (D) ऊर्जावान

अनुच्छेद-2

एक शेर अपनी गुफा में लेटा था। उसने बड़ा आहार कर लिया था और उसे नींद आ रही थी। थोड़ी देर में वह सो गया। एक छोटा चूहा भागता हुआ गुफा में पहुँचा और इधर-उधर दौड़ता रहा। वह कुछ खाना ढूँढ़ रहा था। उसने शेर को देखा और उसकी पूँछ से खेलने लगा। वह शेर की पीठ पर दौड़ने लगा। अचानक शेर जाग गया। उसने अपने को झटका और छोटे चूहे को देखा। शेर ने कहा,"तुम मेरी पीठ पर कूद रहे थे, तुमने मेरी पूँछ से खेला और मेरे कान खींचे। मुझे बहुत क्रोध आया है। मैं तुम्हें खाने वाला हूँ।" शेर ने चूहे को अपने बड़े पंजों में उठा लिया। चूहा बोला,"नहीं, श्रीमान शेरजी, मुझे मत खाइए। एक दिन मैं आपकी मदद करूँगा।" शेर ने कहा, "यह बात बड़ी मज़ेदार है, एक छोटा सा चूहा बड़े शेर की मदद नहीं कर सकता। फिर भी तुम भाग जाओ। आज मुझे भूख नहीं है।" अगले दिन चूहे ने शेर को देखा। वह एक शिकारी के जाल में फँसा था। चूहा दौड़कर शेर के पास पहुँचा। "मैं आपकी मदद करूँगा," उसने कहा। पूरी रात चूहे ने जाल को काटा और उसमें बड़ा सा छेद कर दिया। शेर बाहर निकल आया। उसने कहा, "धन्यवाद, मेरे मित्र। अब मैं समझ गया हूँ कि यदि कोई छोटा और कमजोर भी हो तो भी वह किसी बड़े और बलवान की मदद कर सकता है।"

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. शेर ने क्यों कहा, "यह बात बड़ी मजेदार है?"
(A) उसने सोचा कि चूहा उसकी मदद नहीं कर सकता।
(B) उसने सोचा कि चूहा बड़ा मज़ेदार है।
(C) उसने सोचा कि चूहा मज़ेदार कहानी सुना रहा है।
(D) उसने सोचा कि चूहा कुछ मज़ेदार काम कर रहा है।

2. इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
(A) चूहे हमेशा शेर की मदद करते हैं।
(B)चूहे जाल काटें तो शिकारी चूहे को पकड़ सकते हैं।
(C)शिकारी चूहे की दोस्ती वाले शेर को नहीं पकड़ते।
(D)कमजोर भी बलवानों की मदद कर सकते हैं।

3. शेर को नींद क्यों आ रही थी?
(A) उसने लम्बी सैर की थी।
(B) उसने बहुत खाना खा लिया था।
(C) रात काफी हो गई थी।
(D) वह बहुत थक गया था।

4. चूहा इधर-उधर क्यों दौड़ रहा था?
(A) खाने के लिए कुछ ढूँढ रहा था।
(B) खेलना चाहता था।
(C) शेर की रखवाली कर रहा था।
(D) छिपने की जगह ढूँढ रहा था।

5. चूहे ने जब शेर को देखा तो क्या किया?
(A) डरकर भाग गया।
(B) शेर की पूँछ से खेलने लगा।
(C) जोर से चूँ-चूँ करने लगा।
(D) शेर का कान कुतरने लगा।

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक मिशन शिक्षण संवाद विषय - हिन्दी

प्राथमिक स्तर क्रमांक - 021 टॉपिक - पर्यायवाची शब्द

पर्यायवाची शब्द- जिन शब्दों की ध्वनियाँ (या रूप) अलग-अलग होती हैं, लेकिन अर्थ एक जैसे होते हैं, उन्हें पर्यायवाची शब्द या समानार्थक शब्द कहा जाता है। ऐसे शब्द दिखते तो अलग-अलग हैं, लेकिन इनका मतलब एक ही होता है। पर्यायवाची शब्द दो पदों से मिल कर बना है- पर्याय + वाची👉 • पर्याय का मतलब है- अर्थ (Meaning) • वाची का मतलब है- बताने वाला (Witness)

तो आइए हम देखते हैं कुछ शब्दों के पर्यायवाची शब्द 👉

हाथी

गज, हस्ती, मतंग, द्विप, नाग

कुत्ता

श्वा, श्वान, कुक्कुर, शुनक, सरमेव

घोड़ा

अश्व, घोटक, तुरग, हय, बाजि

शब्द	पर्यायवाची शब्द	शब्द	पर्यायवाची शब्द
तीर	शर, बाण, विशिख, सायक।	बुद्धि	मेधा, मति, प्रज्ञा, मनीषा।
धन	द्रव्य, वित्त, सम्पत्ति, पूंजी।	भाई	बन्धु, सहोदर, भ्राता, भैया।
नदी	सरिता, तटिनी, आपगा, शैलजा।	मनुष्य	नर, मानव, जन, मानुष।
नाव	नौका, जलयान, पोत, नैया।	मुख	आनन, वदन, वक्र, मुंह।
पत्थर	पाषाण, प्रस्तर, उपल, पाहन।	मेंढ़क	मण्डूक, दादुर, हरि, शालूर।
पथ	बाट, मार्ग, राह, पंथ।	युद्ध	रण, समर, संग्राम, जंग।
बन्दर	कपि, हरि, मर्कट, वानर।	रवि	भानु, सूर्य, दिनेश, दिनकर।
पुष्प	कुसुम, सुमन, प्रसून, फूल।	राजा	नृप, भूप, नरेश, महीप।
सुबह	प्रातः, प्रभात, उषा, सवेरा।	रात	रात्रि, निशा, रजनी।
पृथ्वी	भू, भूमि, अचला, धरा।	संध्या	साँझ, शाम, सायं, गोधूलि।
बादल	मेघ, घन, जलद, नीरद।	सर्प	अहि, भुजंग, विषधर,फणी।
ब्राह्मण	द्विज, विप्र, भूसुर,भूदेव।	समुद्र	सागर, सिंधु, पयोधि, रत्नाकर।
बिजली	विद्युत, चपला, चंचला, दामिनी।	सरस्वती	भारती, शारदा, वीणापाणि।

अभ्यास प्रश्न-:
1. पर्यायवाची शब्द किसे कहते हैं?
2. कुत्ता, नदी, बन्दर, पुष्प, सर्प के पर्यायवाची शब्द लिखिए।
3. रण, समर, जंग, किस शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं?

आओ हाथ से हाथ मिलायें, #9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

35

अनुच्छेद-1

जब फास्ट फूड खाने की बात हो तो बच्चे ललचाते हैं। इसे बनाने में कम समय लगता है और बाजारों में भी यह सरलता से मिल जाता है। बच्चे फल, सूप या अंकुरित वस्तुएँ खाने के बदले फास्ट फूड खाना पसन्द करते हैं। नूडल, बर्गर और पिज्जा की बड़ी माँग है। यद्यपि ये बनाने में बड़े आसान हैं, फिर भी ये हमारे लिए हानिकारक हैं। इनमें हमारे शरीर के लिए अच्छी पोषण उपयोगिता नहीं होती। बहुत से शोधकर्ताओं ने सिद्ध किया है कि इन खाद्य पदार्थों का उपयोग स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। इन्हें तेल में तलकर पकाया जाता है जो स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। इससे हम मोटे हो सकते हैं। मोटापे से मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसे रोग हो सकते हैं। जो बच्चे अधिक फास्ट फूड खाते हैं, उन्हें जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ हो सकती हैं; जैसे-मधुमेह और उच्च रक्तचाप। उनका विकास उन बच्चों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होता है जो पौष्टिक भोजन करते हैं। लोग पश्चिमी सभ्यता का अनुकरण कर रहे हैं और घर पर बने खाने के स्थान पर फास्ट फूड को वरीयता दे रहे हैं। यह पश्चिमी सभ्यता को अपनाने के गम्भीर दुष्प्रभावों में से एक है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

1. घर पर बना खाना ..... होता है।
(A) फास्ट फूड की अपेक्षा अधिक पौष्टिक
(B) फास्ट फूड की अपेक्षा कम पौष्टिक
(C) हानिकारक
(D) बीमारियों से भरपूर

2. फास्ट फूड का परिणाम है-
A) जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ
(B) स्वस्थ शरीर
(C) पौष्टिक आहार
(D) इनमें से कोई नहीं

3. अनुच्छेद में किस शब्द का अर्थ 'नकल करना है?
(A) अनुकरण करना (B) दौड़ना
(C) पढ़ाना (D) दिखाना

4. हमें फास्ट फूड संस्कृति को क्यों बढ़ावा नहीं देना चाहिए?
(A) यह हमारे स्वास्थ्य को अच्छा बनाता है।
(B) यह हमारे स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव डालता है।
(C) यह हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है।
(D) यह हमारे स्वास्थ्य पर प्रभावी नहीं होता है।

5. फास्ट फूड किसी के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर सकता है?
(A) अच्छा स्वास्थ्य बनाकर
(B) मोटापे का कारण बनकर
(C) फुर्ती लाकर
(D) याददाश्त बढ़ाकर

अनुच्छेद-2

सभी मकड़ियाँ जाले बुनती हैं जिनसे उन्हें तीन कामों में सहायता मिलती है। जालों से मकड़ियों को अण्डे सँभालने में, छिपाने में और भोजन पकड़ने में मदद मिलती है। बहुत सी मकड़ियाँ अपने जालों में अण्डे देना पसन्द करती हैं, जिसमें अण्डे एक साथ और सुरक्षित रहते हैं। जाले चिपचिपे होते हैं और इस प्रकार वे भोजन पकड़ने में मकड़ियों की सहायता करते हैं। जब कोई कीट जाले में उड़कर आता है, तो फँस जाता है, इधर-उधर हिलता है, बाहर निकलने का प्रयत्न करता है पर ऐसा कर नहीं सकता क्योंकि वह फँस गया होता है। मकड़ी जान लेती है कि कीट फँस गया है क्योंकि उन्हें जाले के हिलने का अनुभव होता है और मकड़ी कीट तक पहुँच जाती है। जालों के बिना मकड़ी वैसे नहीं रह पाती जैसे वह रहती है। मकड़ियों को जीवित रहने के लिए जाले चाहिए किन्तु यदि आपको अपने घर में जाले न मिलें तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपका घर मकड़ियों से मुक्त है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. मकड़ियाँ कैसे जान लेती हैं कि उनके जाले में शिकार फँस गया?
(A) वे पढ़ती हैं।
(B) पेट भर जाता है।
(C) वे उसका अनुभव करती हैं।
(D) वे दौड़ना शुरू कर देती हैं।

2. घर में मकड़ी का जाला न मिलने का यह अर्थ नहीं है कि
(A) मकड़ी है ही नहीं।
(B) मकड़ी है।
(C) भाग गयी।
(D) आ गयी।

3. यहाँ 'जीवित रहना' का अर्थ है।
(A) दौड़ना (B) जीना
(C) तैरना (D) पढ़ना

4. सभी मकड़ियाँ..... बुनती हैं।
(A) अण्डे (B) खाना
(C) जाले (D) कीट

5. यह अनुच्छेद मुख्य रूप से किसके बारे में है?
(A) कीटों को हँसाने
(B) मछलियों के बारे में
(C) अण्डों के बारे में
(D) मकड़ी के जाले के बारे में

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक मिशन शिक्षण संवाद विषय - हिन्दी

प्राथमिक स्तर क्रमांक - 022 टॉपिक - वाक्यांश

वाक्यांशों के लिए एक शब्द- जब अनेक शब्दों के स्थान पर केवल एक शब्द का प्रयोग किया जाता है तो ऐसे शब्द को वाक्यांश के लिए एक शब्द कहते हैं।

वाक्यांश (अनेक शब्द)	एक शब्द
जिसका कोई आकार हो-	साकार
जिसमें दया न हो-	निर्दय
जिसका कोई आकार न हो-	निराकार
जिसमें कम बल हो-	निर्बल
जिसमें बहुत बल हो-	बलशाली
जो अपने देश का हो-	स्वदेशी
जो विदेश से सम्बन्धित हो-	विदेशी
जो खेती करता है-	किसान
जो प्रतिदिन होता है-	दैनिक
जो पन्द्रह दिन (पक्ष) में एक बार हो-	पाक्षिक
जो एक माह में एक बार हो-	मासिक
माँस खाने वाला-	माँसाहारी
जिसके आने की कोई तिथि न हो-	अतिथि
जो कम बोलता हो-	मितभाषी
जिसे ईश्वर में विश्वास हो-	आस्तिक

वाक्यांश (अनेक शब्द)	एक शब्द
जिसे ईश्वर में विश्वास न हो-	नास्तिक
जो बहुत बोलता हो-	वाचाल
नीचे लिखा हुआ-	निम्नलिखित
ऊपर कहा गया-	उपर्युक्त
सप्ताह में एक बार होने वाला-	साप्ताहिक
जिससे कोई परिचय न हो-	अपरिचित
जिसमें स्वार्थ की भावना हो-	स्वार्थी
वर्ष में एक बार होने वाला-	वार्षिक
जो कभी बूढ़ा न हो-	अजर
जो कभी न मरे-	अमर
स्थल पर विचरण करने वाला-	थलचर
जल में विचरण करने वाला-	जलचर
जल-थल दोनों में विचरण करने वाला-	उभयचर
रात्रि में विचरण करने वाला-	निशाचर

अभ्यास प्रश्न-
सही जोड़ा बनाओ👉

जिसमें दया न हो	मितभाषी
जो खेती करता है	अजर
जो कम बोलता है	निर्दय
जो कभी बूढ़ा न हो	कृषक

जो ज्यादा बोलता हो	अमर
जो कभी ना मरे	निर्बल
जो प्रतिदिन होता हो	वाचाल
जिसमें कम बल हो	दैनिक

आओ हाथ से हाथ मिलायें, #9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

37

अनुच्छेद-1

शीला को रात का आकाश देखना अच्छा लगता है। रात में बहुत सारे तारे चमकते हैं। कभी-कभी, वह अपने पिताजी के कंधों पर चढ़ जाती। उसे लगता वह राजकुमारी है और तारों के और निकट बैठी है। एक दिन दोपहर बाद उसके पिता ने कहा, "हम समुद्रतट पर जाने वाले हैं। क्या यह मजेदार नहीं है?" शीला खुश नहीं थी। अगले दिन सुबह वे समुद्रतट पर गए और शीला ने सीपियाँ इकट्ठी कीं। शीला को एक अनूठी चीज मिली। यह बड़े संतरी रंग के गुदगुदे तारे सी लग रही थी। क्या यह आकाश से गिरा और यह चमक क्यों नहीं रहा है? उसके पिता मुस्कुराए, "यह तारा नहीं है, यह तारामीन है। यह समुद्र में रहती है।" शीला ने तारामीन को समुद्र में रख दिया। वे लहरें देखते रहे जो तारामीन को वापिस समुद्र की ओर को बहा ले गईं। इसके बाद शीला और तारामीनों को ढूँढने लगी। उसे तारे और तारामीन दोनों पसन्द हैं। उसने समुद्रतट पर लाने के लिए अपने पिता को धन्यवाद दिया।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. 'अनूठी' का क्या अर्थ है?
(A) अनोखी (B) बुरी
(C) डरावनी (D) मजेदार

2. आपके विचार से शीला क्या है?
(A) सुन्दर राजकुमारी
(B) सीपियाँ बेचने वाली लड़की
(C) समुद्रतट पर रहने वाली लड़की
(D) छोटी और प्यारी बच्ची

3. शीला को क्या करना पसन्द नहीं था?
(A) पिता के कँधों पर चढ़ना
(B) सीपें एकत्र करना
(C) समुद्रतट पर जाना
(D) तारामीन एकत्र करना

4. शीला ने समुद्रतट पर क्या किया?
(A) आकाश को देखा (B) सीपें एकत्र की
(C) तारामीनों को एकत्र (D) तारे देखे

5. तारामीन के बारे में कौनसा कथन सत्य है?
(A) आकाश से गिरी थी
(B) चमक रही थी
(C) संतरी रंग की थी
(D) मरी हुई थी

अनुच्छेद-2

कुछ लेखक कहते हैं कि शेर ऐसे दहाड़ता है कि उसकी दहाड़ की आवाज एक बार में दो-तीन दिशाओं से आती प्रतीत होती है। यह बात वैसी असम्भव नहीं है, जैसी लगती है क्योंकि पक्षियों की और कीटों की बहुत सी प्रजातियों में यही चकित कर देने वाली शक्ति होती है। स्पष्ट है कि यदि शेर के पास भी यह शक्ति है तो उसके लिए बहुत उपयोगी है। वह अपने शिकार को रात में आतंक की स्थिति में डाल देगा और वे इससे डरकर उससे दूर भागने के बदले अपने शिकारी की ओर ही भाग सकते हैं।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. 'बहुत' का पर्यायवाची है
(A) जरूरी (B) आशा करना
(C) अधिक (D) सघन

2. आतंक का अर्थ है ..... का भाव।
(A) आश्चर्य (B) बहुत भय
(C) बहुत दुख (D) प्रसन्नता

3. शेर की दहाड़ आती हुई लगती है
(A) आप यदि उसके पास हों
(B) एक ही दिशा से
(C) दो या तीन दिशाओं से
(D) केवल जंगली जानवरों को

4. बहुत से ..... के पास यही शक्ति होती है।
(A) बाघों और लकड़बग्घों
(B) शिकार बनने वाले पशुओं
(C) बड़े लगने वाले पक्षियों
(D) पक्षियों और कीटों की प्रजातियों

5. यह अद्भुत शक्ति शेर के लिए इस रूप में उपयोगी हो सकती है कि उसका शिकार
(A) उससे दूर भाग सकता है।
(B) कई फीट दूर होने से सुन नहीं सकता।
(C) उसकी ओर भागा आ सकता है।
(D) छिपा ही रह सकता है।

काल- काल का सामान्य अर्थ है- समय। क्रिया के जिस रूप से उसके करने या होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं;
जैसे:- (क) राम पढ़ता था। (ख) राम पढ़ता है। (ग) राम पढ़ेगा।
उपरोक्त वाक्यों में पढ़ता था क्रिया शब्द से बीते समय का, पढ़ता है क्रिया शब्द से चल रहे समय का तथा पढ़ेगा क्रिया शब्द से आनेवाले समय का बोध होता है।

काल के भेद-: 1. भूतकाल 2. वर्तमानकाल 3. भविष्यतकाल
भूतकाल:- क्रिया के जिस रूप से कार्य के बीते हुए समय में होने का बोध हो, उसे भूतकाल कहते हैं। **जैसे:-** (क) मैं स्कूल जाता था। (ख) कल भारत का मैच खेला गया था।
उपरोक्त सभी वाक्यों में कार्य का पूर्ण होना बताया जाता है इसलिए ये भूतकाल के वाक्य हैं।
भूतकाल के छ: भेद:- (1) सामान्य भूतकाल (2) आसन्न भूतकाल (3) पूर्ण भूतकाल (4) अपूर्ण भूतकाल (5) सन्दिग्ध भूतकाल (6) हेतु-हेतुमद् भूतकाल

वर्तमान काल:- जो क्रिया चल रहे समय में हो रही हो, उसे वर्तमान काल कहते हैं।
जैसे:- (क) सुरेन्द्र लिखता है। (ख) मनोज हँसता है। (ग) शर्मिष्ठा भाग रही है।
उपरोक्त वाक्यों से पता चलता है कि लिखना, हँसना और भागना क्रियाएँ चल रहे समय में हो रही हैं। इस प्रकार की क्रियाएँ वर्तमान काल की होती हैं।
वर्तमान काल के तीन भेद:-
(1) सामान्य वर्तमान काल (2) सन्दिग्ध वर्तमान काल (3) अपूर्ण वर्तमान काल

भविष्यतकाल:- जिन क्रिया शब्दों से कार्य के आगे आने वाले समय में होने का बोध हो, उसे भविष्यत काल कहते हैं।
जैसे:- (क) सूर्य उदय होगा। (ख) कमल खिलेगा।
उपर्युक्त वाक्यों को पढ़ने से पता चलता है कि ये क्रियाएँ आने वाले समय मे होंगी।
भविष्यतकाल के तीन भेद :-
(1) सामान्य भविष्यत काल (2) सम्भाव्य भविष्यत काल (3) हेतु-हेतुमद् भविष्यत काल

अभ्यास प्रश्न-
1. वर्तमान काल के किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।
2. भूतकाल किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।
3. काल किसे कहते हैं व काल के कितने भेद होते हैं?

अनुच्छेद -1

दीपक उत्साहित था। वह अपने चाचाजी और चचेरे भाई-बहन प्रीता और रिया के साथ रविवार को पिकनिक पर जा रहा था। उसने अपने तैराकी के सामान, नाश्ते और खेलने के सामान को अपने एक पिट्ठू बैग में रख लिया। वे सुबह छः बजे चल दिए।बहुत दूर तक गाड़ी चलाने के बाद वे पिकनिक के स्थान पर सुबह नौ बजे पहुँच गए। यहाँ गाँव में एक फार्महाउस था। उन्होंने गाँव के चारों ओर घूमकर धान के खेत देखे और जाना कि चावल कैसे उगाया जाता है? वे पेड़ों पर चढ़े और आम तथा अमरूद तोड़े। दोपहर को एक पेड़ के नीचे बैठकर उन्होंने भोजन किया। जब चाचाजी ने कहा कि अब घर लौटने का समय है तो वे और देर तक ठहरना चाहते थे क्योंकि उन्हें गाँव बहुत अच्छा लगा।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. 'उत्साहित' शब्द का अर्थ है –
(A) विश्वस्त
(B) बहुत प्रसन्न
(C) व्यस्त
(D) निराश

2. दीपक और उसके चचेरे भाई-बहन .....।
(A) गाँव में ऊब गए।
(B) ने पिकनिक का आनन्द लिया।
(C) घर वापस आना चाहते थे।
(D) पेड़ों पर न चढ़ सके।

3. दीपक अपने ..... के साथ पिकनिक पर गया।
(A) माता-पिता
(B) चचेरे भाई-बहन
(C) मित्रों
(D) बहन

4. पिकनिक का स्थान एक ..... में था।
(A) पार्क
(B) समुद्र-तट
(C) गाँव
(D) तरण-ताल

5. चाचाजी ने दीपक को दिखाया कि कैसे.....?
(A) हम खातें हैं
(B) तैरते हैं
(C) गाड़ी चलाते हैं
(D) चावल उगाते हैं

अनुच्छेद - 2

क्या आपने रस्सा-कशी खेल खेला है ? यह एक रोचक खेल है। रस्सा-कशी का खेल खेलने के लिए आपको कुछ खुली जगह, एक लम्बी एवं मजबूत रस्सी और खिलाड़ियों की दो टीमों की आवश्यकता होती है। खेल तभी रोचक होगा जब दोनों टीमें बराबर मजबूत होंगी। दोनों टीमों के बीच एक रेखा खींच दी जाती है। जो टीम,अन्य टीम द्वारा खींच ली जाती है और बीच की रेखा पार करने को बाध्य कर दी जाती है, खेल हार जाती है। टीम के सबसे शक्तिशाली सदस्य को चाहिए कि वह रस्सी के अन्तिम छोर को मजबूती से पकड़े रहे और टीम को संगठित होकर रस्सी को खींचना चाहिए। खेलने के स्थान से पत्थरों को साफ कर देना चाहिए अन्यथा उनसे चोट लग सकती है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. रस्सा-कशी है ..... ।
(A) एक युद्ध
(B) एक रस्सी
(C) एक खेल
(D) एक लड़ाई

2. 'रस्सा- कशी में हम ..... ।
(A) मुक्केबाजी करते हैं
(B) छुपा-छुपी करते हैं
(C) रस्सी खींचते हैं
(D) बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हैं

3. रस्सी के अन्तिम छोर को पकड़ने वाला टीम का सदस्य होता है।
(A) सबसे लम्बा
(B) सबसे छोटा
(C) सबसे युवा
(D) सबसे शक्तिशाली

4. टीम,जो बीच की रेखा के पार खींच ली जाती है,.....।
(A) विजयी होती है
(B) हार जाती है
(C) सफल होती है
(D) को दूसरा अवसर दिया जाता है

5. 'संगठित' शब्द का अर्थ है –
(A) साथ-साथ
(B) लड़ाई
(C) खींचना
(D) विजयी होना

अनेकार्थक शब्द- ऐसे शब्द, जिनके अनेक अर्थ होते है, अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं। दूसरे शब्दों में- जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं।

ऐसे कुछ अनेकार्थक शब्द नीचे दिए जा रहे हैं। उन्हें पढ़िए तथा समझिए-

1. कल- बीता हुआ कल, आने वाला दिन, मशीन
2. कर- हाथ, टैक्स, किरण, हाथी की सूँड़
3. पत्र- पत्ता, पंख, चिट्ठी
4. अक्षर- वर्ण, शब्द, ब्रह्म
5. गति- चाल, दशा, मोक्ष
6. अर्थ- धन, कारण, प्रयोजन, मतलब
7. गुरु- शिक्षक, श्रेष्ठ, बड़ा, भारी
8. नाग- हाथी, सर्प, सूर्य
9. वर- वरदान, दूल्हा, श्रेष्ठ
10. बाल- बालक, केश
11. दल- समूह, सेना, पक्ष, भाग
12. आम- फल, मामूली, सर्वसाधारण
13. अंक- गिनती का अंक, नाटक के अंक, गोद
14. कनक- सोना, धतूरा, गेहूँ
15. घन- बादल, घना, अधिक
16. ताल- संगीत, तालाब, ताड़
17. पानी- जल, इज्ज़त, चमक, लज्जा
18. काल- समय, अवसर, मृत्यु
19. और- योजक शब्द, दूसरा, अधिक, तथा
20. अम्बर- वस्त्र, आकाश
21. नग- नगीना, पहाड़, सूर्य, रत्न
22. हरि- कृष्ण, बन्दर, शेर, इन्द्र, विष्णु
23. वर्ण- अक्षर, जाति, रंग
24. पृष्ठ- पीछे का भाग, पीठ, पुस्तक का पन्ना
25. सारंग- मोर, मयूर, हिरन, मृग, बादल, सुन्दर
26. मधु- मीठा, अमृत, शहद, वसन्त, मधुर

अभ्यास प्रश्न-

1. अनेकार्थक शब्द किसे कहते हैं? लिखिए।
2. निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थक शब्द लिखिए– घन, ताल, नाग, सारंग, अंक।

41

अनुच्छेद-1

पहले आधुनिक ओलंपिक खेल यूनान की राजधानी एथेंस में 1896 में आयोजित किए गए। एथेंस ओलंपिक खेलों में सिर्फ़ 14 देशों के 200 लोगों ने 43 मुक़ाबलों में हिस्सा लिया। 1896 के बाद पेरिस को ओलंपिक की मेजबानी का इंतज़ार नहीं करना पड़ा और उसे 1900 में मौक़ा मिल ही गया। प्रत्येक ओलंपिक आयोजन में, स्वर्ण पदक प्रथम स्थान पर दिए जाते हैं, दूसरे स्थान पर रजत पदक से सम्मानित किया जाता है और तीसरे के लिए कांस्य पदक प्रदान किए जाते हैं; यह परंपरा 1904 में शुरू हुई।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न-1 ओलंपिक खेल कब से आयोजित किए गए?

(A) 1986 (B) 1896
(C) 1900 (D) 1942

प्रश्न-2 यूनान की राजधानी क्या है?

(A) एथेंस
(B) पेरिस
(C) अमेरिका
(D) स्वीडन

प्रश्न-3 आधुनिक का विलोम शब्द कौन सा है?

(A) नवीन
(B) प्राचीन
(C) नया
(D) नवीनता

प्रश्न-4 दूसरे स्थान पर .....से सम्मानित किया जाता है।

(A) कांस्य पदक
(B) स्वर्ण पदक
(C) रजत पदक
(D) खेल रत्न

प्रश्न-5 पहले एथेंस ओलंपिक खेल में कितने देशों ने भाग लिया?

(A) 14 (B) 43
(C) 200 (D) 41

अनुच्छेद -2

किसी गाँव में एक वैद्य रहता था। एक बार उसे कई दिनों तक कोई रोगी नहीं मिला। वह रोगी की तलाश में घर से निकला। उसने एक पेड़ के खोखल में एक साँप को देखा। पास में ही कुछ बच्चे खेल रहे थे। वैद्य ने सोचा,"यदि मैं किसी बच्चे को साँप से डसवा दूँ और फिर इलाज करूँ तो अच्छा पैसा मिल जाएगा।" यह सोचकर उसने बच्चों से कहा, "इस पेड़ के खोखल में मैना के बच्चे हैं, उन्हें पकड़ लो।" एक शरारती बच्चा उस वैद्य की बातों में आकर पेड़ पर चढ़ गया। बच्चे ने जल्दी से खोखल में हाथ डालकर मैना के बच्चे को पकड़ना चाहा तो उसके हाथ में साँप आ गया। उसने हाथ झटककर साँप को फेंका तो वह पास खड़े वैद्य के सिर पर आ गिरा। साँप ने वैद्य को डस लिया।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न-1 वैद्य किसकी तलाश में निकला?

(A) व्यक्ति (B) बीमारी
(C) रोगी (D) साँप

प्रश्न-2 पेड़ की खोखल में कौन रहता था?

(A) एक ज़हरीला कीड़ा
(B) एक साँप
(C) एक केकड़ा
(D) गिलहरी

प्रश्न-3 वैद्य ने क्या सोचा?

(A) किसी बीमार का इलाज करने का उपाय
(B) बच्चे को साँप से डसवाने के विषय में
(C) अच्छा पैसा पाने की तरकीबें
(D) दूर चला जाए

प्रश्न-4 उसने बच्चों से खोखल में किसके होने की बात कही?

(A) गिलहरी के बच्चे की
(B) साँप के बच्चे की
(C) मैना के बच्चे की
(D) केकड़े के बच्चे की

प्रश्न-5 गाँव का तत्सम शब्द क्या है?

(A) ग्राम (B) गांव
(C) गाम (D) गर्म

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक मिशन शिक्षण संवाद विषय - हिन्दी

प्राथमिक स्तर क्रमांक - 025 टॉपिक - श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द- जो ध्वनि तथा वर्तनी की दृष्टि से समान प्रतीत होते हैं, किन्तु अर्थ की दृष्टि से एक-दूसरे से पूर्ण रूप से भिन्न होते हैं। इन्हें श्रुतिसम भिन्नार्थक या समरूप भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

आइए श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द के कुछ उदाहरण देखते हैं-

	शब्द	अर्थ		शब्द	अर्थ
1.	अपेक्षा	इच्छा	11.	दिन	दिवस
	उपेक्षा	निरादर		दीन	गरीब
2.	अनल	अग्नि	12.	निधन	मृत्यु
	अनिल	वायु		निर्धन	गरीब
3.	अपकार	बुराई	13.	कुल	वंश, समस्त
	उपकार	भलाई		कूल	तट, किनारा
4.	अचार	खाने की वस्तु	14.	चिर	पुराना
	आचार	व्यवहार		चीर	वस्त्र
5.	ग्रह	नक्षत्र	15.	समान	बराबर
	गृह	घर		सम्मान	आदर
6.	अवधि	समय	16.	दशा	अवस्था, हालत
	अवधी	एक भाषा		दिशा	तरफ़, ओर
7.	आदि	इत्यादि	17.	अन्न	अनाज
	आदी	अभ्यास		अन्य	दूसरा
8.	कर्म	काम	18.	प्रमाण	सबूत
	क्रम	सिलसिला		परिमाण	मात्रा
9.	तरंग	लहर	19.	पावन	पवित्र
	तुरंग	घोड़ा		पवन	हवा
10.	छात्र	विद्यार्थी	20.	अंक	संख्या
	छत्र	छतरी		अंग	शरीर का भाग

अभ्यास प्रश्न-

कोष्ठक में दिए शब्दों में से उचित शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क)..... माँगकर शर्मिन्दा न करें। (उदार / उधार)

(ख) रमेश नशे का .....है। (आदि / आदी)

(ग) मन्दिर के .....खुल गए। (कपाट/कपट)

(घ) अपने बड़ों को..... करो। (प्रणाम / प्रमाण)

(ङ) हमें .....का अनादर नहीं करना चाहिए। (अन्य / अन्न)

43

अनुच्छेद-1

आज़ादी के पहले भारत की राजधानी के रूप में कोलकाता को जाना जाता था। लेकिन 1911 में अंग्रेजी हुकूमत ने इसे बदलकर दिल्ली को राजधानी का दर्जा दिया था। मुग़ल काल के लुटेरे मुहम्मद गौरी से अकबर और अंग्रेजी हुकूमत तक दिल्ली को हर शासकों ने अपनी आर्थिक राजधानी के रूप में तवज़्ज़ो जरुर दी। ब्रिटिश भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड इर्विन द्वारा 13 फ़रवरी 1931 को नई दिल्ली का उद्घाटन हुआ।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न-1.आजादी के पहले भारत की राजधानी के रूप में------- को जाना जाता था।

A. कोलकाता B. नई दिल्ली
C. दिल्ली D. चेन्नई

प्रश्न-2. दिल्ली को राजधानी का कब दर्जा दिया गया था?

A. 1119 B. 1911
C. 1191 D. 9111

प्रश्न-3. नई दिल्ली का उद्घाटन कब हुआ था?

A. 13 फरवरी1931 B. 31 फरवरी1931
C. 13 जनवरी 1931 D. 31 जनवरी 1931

प्रश्न- 4.उद्घाटन का समानार्थी शब्द कौन सा है?

A. श्री गणेश B.घटना
C. उदगार D. घटनाक्रम

प्रश्न-5 नई दिल्ली भारत की किस दिशा में है?

A. पूरब B. पश्चिम
C. उत्तर D. दक्षिणा

अनुच्छेद-2

लखनऊ को नवाबो की नगरी के नाम से जाना जाता है, जो उत्तर प्रदेश की राजधानी है और गोमती नदी के तट पर स्थित है। इस शहर का इतिहास सूर्यवंशी राजवंश के काल का है। लखनऊ की स्थापना नवाब आसफ-उद-दौला द्वारा की गई थी, उन्होने इसे अवध के नवाबों की राजधानी के रूप में पेश किया था। लखनऊ 1920 में उत्तर प्रदेश की राजधानी बनी।

अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न-1 लखनऊ को -------- की नगरी कहा जाता है।

A. गुलाबों B. फूलों
C. बागों D. नवाबों

प्रश्न-2 लखनऊ किस नदी के तट पर है?

A. यमुना B. गंगा
C. सरयू D. गोमती

प्रश्न-3 लखनऊ की स्थापना किस नवाब के द्वारा की गई थी?

A. आसफ-उद-दौला B. असरफ-उद-दौला
C. उद-आसफ-दौला D. आसफ-दउ-दौला

प्रश्न-4 उत्तर प्रदेश की राजधानी क्या है?

A. लखनऊ B. दिल्ली
C. कोलकाता D. देहरादून

प्रश्न-5 उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ कब बनी ?

A. 1920 B. 2019
C. 1902 D. 1921

44

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक मिशन शिक्षण संवाद विषय - हिन्दी

प्राथमिक स्तर क्रमांक - 026 टॉपिक - सन्धि

सन्धि- सन्धि का साधारण अर्थ है 'मेल'। किन्हीं दो वर्णों के निकट आने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे सन्धि कहते हैं। **जैसे-:**

हिमालय = हिम + आलय विद्यालय = विद्या + आलय

'हिम' का अन्तिम वर्ण 'अ' तथा आलय का आरम्भिक वर्ण 'आ' मिलकर 'आ' बन गया।

हिम् + (अ) + (आ) + लय = हिम् + आ + लय = हिमालय

इसी तरह 'विद्या' का अन्तिम 'आ' तथा आलय का आरम्भिक 'आ' मिलकर 'आ' बन गया। विद्या + आलय = विद्यालय विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

वर्णों के इस प्रकार के मेल को सन्धि कहते हैं; अत: पुस्तक + आलय = पुस्तकालय

ध्वनियों के पास-पास आ जाने से उनके मिलने पर जो परिवर्तन या विकार होता है, उसे सन्धि कहते हैं।

विच्छेद का अर्थ है- अलग करना। जब किसी सन्धियुक्त शब्द को अलग-अलग किया जाता है या सन्धि को तोड़ दिया जाता है तो उसे सन्धि-विच्छेद कहते हैं;

जैसे:- सूर्योदय =सूर्य +उदय सज्जन = सत् + जन

सन्धि के भेद👉

सन्धि के तीन प्रकार या भेद होते हैं। स्वर सन्धि, व्यञ्जन सन्धि, विसर्ग सन्धि। यदि सन्धि के पहले शब्द का अन्तिम वर्ण स्वर हो तो 'स्वर सन्धि'। यदि सन्धि के पहले शब्द का अन्तिम वर्ण व्यञ्जन हो तो 'व्यञ्जन सन्धि'। और इसके अतिरिक्त यदि सन्धि के पहले शब्द का अन्तिम वर्ण विसर्ग हो तो उसे 'विसर्ग' सन्धि कहते हैं। इन सभी का एक उदाहरण आपके सामने प्रस्तुत कर रहे हैं।

स्वर सन्धि- देव + आलय = देवालय

व्यञ्जन सन्धि- सत् + जन = सज्जन

विसर्ग सन्धि- तप: + भूमि = तपोभूमि

अभ्यास प्रश्न- उचित विकल्प पर सही का निशान (✓) लगाइए।

प्रश्न-1. सन्धि कितने प्रकार की होती है?

(A) पाँच (B) चार (C) तीन (D) दो

प्रश्न-2. 'सन्धि' शब्द का अर्थ है-

(A) पद (B) शब्द (C) मेल (D) वाक्य

प्रश्न-3. सन्धियुक्त पदों को अलग करना ..... कहलाता है।

(A) सन्धि विच्छेद (B) सन्धि (C) व्यञ्जन (D)स्वर

45

अनुच्छेद -1

हमारा अपना बनाया संविधान 26 जनवरी, 1950 को ही लागू हुआ। अतः हम पूर्ण रूप से स्वाधीन इसी दिन हुए थे। इस दिन का एक अन्य ऐतिहासिक महत्व भी है। 1929 के लाहौर में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में सभापति पद से पं० जवाहरलाल नेहरू ने पूर्ण स्वतंत्रता पाने का लक्ष्य घोषित किया था। 26 जनवरी, 1930 को सारे देश में लोगों ने स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा दोहराई। यह क्रम देश के स्वतंत्र होने तक बराबर चलता रहा। 26 जनवरी, 1950 को भारत को 'संपूर्ण, संप्रभुत्व संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य' घोषित किया गया। इसी दिन डॉ० राजेंद्र प्रसाद भारतीय गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति बने। तभी से 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया जाता रहा है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न-1 हमारे देश का संविधान कब लागू हुआ?

A.26 जनवरी 1950
B.15 अगस्त 1947
C.26 जनवरी 1930
D.26 जनवरी 1949 .

प्रश्न-2 हम पूर्ण रूप से .....इसी दिन हुए थे।

A.स्वाधीन
B.स्वतंत्र
C.आजाद
D.पराधीन

प्रश्न-3 भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन बने ?

A.डॉ० राजेंद्र प्रसाद
B.जवाहरलाल नेहरू
C.महात्मा गांधी
D.लाल बहादुर शास्त्री

प्रश्न-4 स्वतंत्रता का विलोम क्या है?

A.आजाद
B.स्वतंत्र
C.परतंत्रता
D.स्वाधीनता

प्रश्न-5 .....को भारत को 'संपूर्ण, संप्रभुत्व संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य' घोषित किया गया।

A.26 जनवरी 1929
B.26 जनवरी 1930
C.15 अगस्त 1947
D.26 जनवरी 1950

अनुच्छेद -2

नोबेल पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला मेरी क्यूरी थीं। उनका जन्म निर्धन पोलिश परिवार में 7 नवंबर 1867 को हुआ था। उनका पहला नाम 'मारिया स्कलादोव्स्का' था। घर में प्यार से उन्हें 'मारिया' कहकर पुकारते थे। उनके पिता 'वारसा' के हाई स्कूल में अध्यापक थे। वे निर्धन थे, पर देश-भक्त थे। उन दिनो पोलैंड पराधीन था। वह तीन भागों में बँटा हुआ था। एक भाग रूस, दूसरा जर्मन और तीसरा ऑस्ट्रिया के अधीन था। मातृभूमि को अत्याचारों से मुक्त कराने के प्रयत्न में मारिया के पिता को नौकरी छोड़नी पड़ी मारिया दस वर्ष की ही थीं, तो उनकी माता परलोक सिधार गई थीं।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न-1 मेरी क्यूरी का जन्म कब हुआ?

A.7 नवंबर 1867
B.7 नवंबर 1876
C.7 नवंबर 1786
D.7 नवंबर 1687

प्रश्न-2 सबसे पहले नोबेल पुरस्कार किस महिला ने जीता?

A.मेरी क्यूरी
B.वारसा
C.पोलिश
D.मदर टेरेसा

प्रश्न-3 पोलैंड कितने भागों में बँटा हुआ था?

A.एक भाग
B.दो भाग
C.तीन भाग
D.चार भाग

प्रश्न-4 मारिया के पिताजी क्या करते थे?

A.अध्यापक
B.वकील
C.डॉक्टर
D.लेखक

प्रश्न-5 पिता का पर्यायवाची शब्द कौन सा नही है?

A.परम
B.जनक
C.आत्मज
D.तात

46

स्वर सन्धि:- दो स्वरों के मेल से होने वाले परिवर्तन को स्वर सन्धि कहते हैं। **जैसे:-** हिम + आलय = हिमालय

स्वर सन्धि के प्रकार- (1) दीर्घ सन्धि (2) गुण सन्धि (3) वृद्धि सन्धि (4) यण सन्धि (5) अयादि सन्धि

1- दीर्घ सन्धि:- ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ के बाद यदि ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ हों तो दोनों मिलकर दीर्घ आ, ई, ऊ हो जाते हैं।

जैसे:-

अ + आ = आ	हिम + आलय = हिमालय
आ + अ = आ	विद्या + अर्थी = विद्यार्थी
इ + इ = ई	कवि + इन्द्र = कवीन्द्र
इ + ई = ई	परि + ईक्षा = परीक्षा
ई + इ = ई	मही + इन्द्र = महीन्द्र
ई + ई = ई	मही + ईश = महीश
उ + उ = ऊ	भानु + उदय = भानूदय
उ + ऊ = ऊ	लघु + ऊर्मि = लघूर्मि
ऊ + उ = ऊ	वधु + उत्सव = वधूत्सव

2- गुण सन्धि:- इसमें अ, आ के बाद इ, ई हो तो दोनों मिलकर ए हो जाते हैं। यदि अ, आ के बाद उ, ऊ हो तो दोनों मिलकर ओ हो जाते हैं। यदि अ, आ के बाद ऋ हो तो अर् हो जाते हैं।

जैसे:-

अ + इ = ए	नर + इन्द्र = नरेन्द्र
आ + इ = ए	महा + इन्द्र = महेन्द्र
अ + ई = ए	नर + ईश = नरेश
आ + ई = ए	महा + ईश = महेश
अ + उ = ओ	ज्ञान + उपदेश = ज्ञानोपदेश
आ + उ = ओ	महा + उत्सव = महोत्सव
अ + ऊ = ओ	जल + ऊर्मी = जलोर्मी
आ + ऊ = ओ	महा + ऊर्मि = महोर्मि
अ + ऋ = अर्	देव + ऋषि = देवर्षि
आ + ऋ = अर	महा + ऋषि = महर्षि

अभ्यास प्रश्न- निम्न शब्दों का सन्धि विच्छेद करिए-
परीक्षा, महेन्द्र, विद्यार्थी, महेश, महीश, देवर्षि, महीश, नरेश, हिमालय, जलोर्मि

निम्न शब्दों की सन्धि करिए-
नर + इन्द्र, महा + ऋषि, भानु + उदय, महा + ऊर्मि

अनुच्छेद-1

वृक्षों से मानव को अनेक लाभ हैं। वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया है कि सूर्य के प्रकाश में वृक्ष ऑक्सीजन का निर्माण करते हैं, जिससे वातावरण शुद्ध होता है और मानव का स्वास्थ्य अच्छा होता है। देश में चलने वाली गर्म और ठंडी हवाओं से वृक्ष ही हमारी रक्षा करते हैं। ये हमें अमूल्य औषधियाँ, स्वादिष्ट फल, सब्ज़ियाँ और खाद इत्यादि भी प्रदान करते हैं। वृक्षों के बगैर मानव जीवन असंभव है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न-1 सूर्य के प्रकाश में कौन ऑक्सीजन का निर्माण करता है?

A.फल
B.फूल
C.जड़
D.वृक्ष

प्रश्न-2 मानव का स्वास्थ्य अच्छा कैसे हो सकता है?

A.औषधियों से
B.वृक्षों से
C.खाद से
D.शुद्ध वायु से

प्रश्न-3 वृक्षों से हमें क्या-क्या मिलता है?

A. दूध, दही, खनिज
B.शुद्ध वायु, शहद
C.फल, औषधियाँ, खाद
D.फल, ऑक्सीजन, ठंडी हवा

प्रश्न-4 'संभव' का विपरीतार्थक शब्द है ।

A.संभवतः
B.असंभव
C.अभाव
D.मुमकिन

प्रश्न-5 उपर्युक्त अनुच्छेद का शीर्षक दीजिए।

A.वृक्षों के लाभ
B.वृक्ष और भोजन
C.वृक्षों की हानियाँ
D.मानव का स्वास्थ्य

अनुच्छेद-2

रैबीज़ एक जानलेवा खतरनाक बीमारी है। यह बीमारी मुख्य रूप से कुत्तों द्वारा फैलती है। कुत्तों में रैबीज़ दो प्रकार की होती है-उत्तेजक और मूक। उत्तेजक रैबीज़ग्रस्त कुत्ता बगैर कारण के भौंकता और दौड़ता रहता है और लकड़ी, मिट्टी, घास आदि खाने लगता है और अधिकतम पाँच दिन के भीतर मर जाता है। मूक रैबीज़ में कुत्ता अनमना-सा हो जाता है और किसी अँधेरे और एकांत स्थान में बेहोशी की-सी अवस्था में पड़ा रहता है। इसी स्थिति में कुत्ता तीन से चार दिन में मर जाता है। रैबीज़ के वायरस मुख्यतः कुत्ते की लार में पाए जाते हैं।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न-1 रैबीज़ बीमारी मुख्य रूप से किसके द्वारा फैलती है?

A. कुत्तों द्वारा
B. रैबिट द्वारा
C. मनुष्य द्वारा
D. रेट द्वारा

प्रश्न-2 कुत्तों में कितने प्रकार की रैबीज़ होती है?

A.5 प्रकार
B.2 प्रकार
C.3 प्रकार
D.4 प्रकार

प्रश्न-3 'उत्तेजक रैबीज़' के क्या लक्षण हैं?

A.बगैर कारण के भागता और दौड़ता रहता है।
B.लकड़ी, मिट्टी और घास खाने लगता है।
C.अधिकतम 5 दिन के भीतर मर जाता है।
D.उपरोक्त सभी।

प्रश्न-4 'मूक रैबीज़' से ग्रस्त कुत्ते के क्या लक्षण हैं?

A.कुत्ता अनमना सा हो जाता है।
B.एकांत स्थान में बेहोशी की अवस्था में पड़ा रहता है।
C.कुत्ता 3 से 4 दिन मर जाता है।
D.उपरोक्त सभी।

प्रश्न-5 कुत्ते में रैबीज़ के वायरस कहाँ पाए जाते हैं?

A.लार में
B.हवा में
C.रैबिट में
D.खून में

3- वृद्धि सन्धि- इसमें अ, आ के बाद ए, ऐ हो तो दोनों मिलकर ऐ हो जाते हैं।
यदि अ, आ के बाद ओ, औ हो तो दोनों मिलकर औ हो जाते हैं।

जैसे-	अ + ए = ऐ	एक + एक = एकैक
	आ + ऐ = ऐ	वा + एश्य = वैश्य
	अ + ओ = औ	वन + औषधि = वनौषधि
	आ + ओ = औ	महा + औषधि = महौषधि

4- यण सन्धि- इसमें इ, ई के बाद कोई विजातीय स्वर होने पर इ, ई के स्थान पर य हो जाता है। यदि उ, ऊ के बाद कोई विजातीय स्वर हो तो उ, ऊ के स्थान पर व हो जाता है। यदि ऋ के आगे कोई विजातीय स्वर हो तो ऋ के स्थान पर र हो जाता है।

जैसे-	इ + अ = य + अ	यदि + अपि = यद्यपि
	ई + आ = य् + आ	इति + आदि = इत्यादि
	उ + आ = व् + आ	सु + आगत = स्वागत
	ऋ + आ = र् + आ	पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा

5- अयादि सन्धि- इसमें ए, ऐ, ओ, औ के बाद किसी भी स्वर के होने पर क्रमश: अय, आय, अव, आव में परिवर्तन हो जाता है।

जैसे-	ए + अ = अय + अ	ने + अन = नयन
	ऐ + अ = आय + अ	गै + अक = गायक
	ओ + अ = अव + अ	भो + अन = भवन
	औ + अ = आव + अ	पौ + अक = पावक

अभ्यास प्रश्न- निम्न शब्दों की सन्धि करिए-
महा + औषधि, यदि + अपि, वा + एश्य, इति + आदि, पितृ + आज्ञा, ने + अन, गै + अक, अनु + एषण।

निम्न शब्दों का सन्धि विच्छेद करिए-
नाविक, नयन, देव्यागमन, पावक, वनौषधि, भवन, स्वागत, इत्यादि, नद्यर्पण।

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक

मिशन शिक्षण संवाद

विषय- हिन्दी

प्राथमिक स्तर

क्रमांक- 028

प्रकरण- अनुच्छेद

अनुच्छेद- 1

क्या आपको इस बात पर आश्चर्य नहीं होता है कि हम दिन के समय चन्द्रमा एवं ऐसी सभी छोटी चमकीली वस्तुओं को क्यों नहीं देख पाते हैं? ऐसा इसलिए है, क्योंकि सूर्य के अत्यधिक तेज प्रकाश के कारण रात के समय चमकने वाली वस्तुओं को हम दिन में नहीं देख पाते हैं। सूर्य, चन्द्रमा तथा वे सभी वस्तुएँ जो रात के समय आसमान में चमकती हैं, खगोलीय पिण्ड कहलाती हैं। कुछ खगोलीय पिण्ड बड़े आकार वाले तथा गर्म होते हैं। ये गैसों से बने होते हैं। इनके पास अपना ऊष्मा तथा प्रकाश होता है जिसे वे बहुत बड़ी मात्रा में उत्सर्जित करते हैं। इन खगोलीय पिण्डों को तारा कहते हैं। सूर्य भी एक तारा है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. रात के समय चमकने वाली वस्तुओं को हम दिन में नहीं देख पाते-

(A) सूर्य के धीमे प्रकाश के कारण
(B) सूर्य के अत्यधिक तेज प्रकाश के कारण
(C) चन्द्रमा के तेज प्रकाश के कारण
(D) अधिक दूर होने के कारण

2. रात के समय चमकने वाली सभी वस्तुएँ कहलाती हैं-

(A) खगोलीय पिण्ड (B) गैस
(C) चन्द्रमा (D) द्रव

3. खगोलीय पिण्ड बने होते हैं-

(A) गैसों से
(B) प्रकाश से
(C) केवल ठोस पदार्थों से
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

4. खगोलीय पिण्डों को कहते हैं-

(A) ग्रह (B) नक्षत्र
(C) ऊर्जा (D) तारा

5. सूर्य एक-

(A) ग्रह है। (B) तारा है।
(C) नक्षत्र है। (D) उपग्रह है।

अनुच्छेद- 2

सुनीता जब 5 साल की थी, उन्होंने टी.वी. पर नील आर्मस्ट्रांग को चाँद पर उतरते देखा। सन् 1969 में नील आर्मस्ट्रांग चाँद पर उतरने वाले सबसे पहले व्यक्ति थे। छोटी सुनीता उनसे बहुत प्रभावित हुई। सुनीता बताती हैं कि बचपन में उनकी खेलकूद में बहुत दिलचस्पी थी। उन्हें तैराकी खासतौर पर पसन्द थी। पढ़ाई में वे कभी सबसे आगे नहीं रही। सुनीता बनना तो गोताखोर (डाइवर) चाहती थी पर बन गईं हेलीकॉप्टर पायलट। एक दिन उन्हें किसी अन्तरिक्ष यात्री से पता चला कि वे आगे पढ़ाई करें तो अन्तरिक्ष में जा सकती हैं। फिर क्या था सुनीता ने डटकर आगे पढ़ाई की, ट्रेनिंग ली और अब वे अन्तरिक्ष में सबसे लम्बे समय तक रहने वाली पहली महिला हैं।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. चाँद पर उतरने वाले सबसे पहले व्यक्ति थे-

(A) नील आर्मस्ट्रांग (B) सुनीता विलियम्स
(C) राकेश शर्मा (D) कल्पना चावला

2. सुनीता को कौन-सी खेल गतिविधियाँ खासतौर पर पसन्द थीं?

(A) निशानेबाजी (B) गोल्फ
(C) तैराकी (D) टेनिस

3. अन्तरिक्ष में जाने के सपने को उन्होंने कैसे साकार किया?

(A) कड़ी मेहनत से पढ़ाई करके
(B) कड़ी मेहनत से तैराकी सीखकर
(C) एक अच्छी गोताखोर की ट्रेनिंग लेकर
(D) सामान्य पढ़ाई करके

4. 'डाइवर' को _____ भी कहते हैं-

(A) चालक (B) पायलट
(C) गोताखोर (D) रनर

5. अन्तरिक्ष में सबसे लम्बे समय तक रहने वाली पहली महिला हैं-

(A) कल्पना चावला (B) सुनीता विलियम्स
(C) किरण बेदी (D) अनीता विलियम्स

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक

मिशन शिक्षण संवाद

विषय- हिन्दी

प्राथमिक स्तर

क्रमांक- 029 प्रकरण- व्यञ्जन सन्धि

व्यञ्जन सन्धि- व्यञ्जन तथा स्वर, स्वर तथा व्यञ्जन या व्यञ्जन और व्यञ्जन का मेल होने से जो परिवर्तन होता है, उसे व्यञ्जन सन्धि कहते हैं।

जैसे-: जगत् + ईश = जगदीश, वि + छेद = विच्छेद, दिक् + गज = दिग्गज

व्यञ्जन सन्धि के कुछ नियम तथा उदाहरण इस प्रकार हैं-

1. वर्ग के पहले वर्ण का तीसरे वर्ण में परिवर्तन होना-

क् का ग्	दिक् + अम्बर= दिगम्बर
च् का ज्	अच् + अन्त = अजन्त
ट् का ड्	षट् + दर्शन = षड्दर्शन
त् का द्	जगत् + ईश = जगदीश
प् का ब्	अप् + ज = अब्ज

2. वर्ग के पहले वर्ण का पाँचवें वर्ण में परिवर्तन होना

क् का ङ्	वाक् + मय = वाङ्मय
च् का ञ्	अच् + नाश = अञ्नाश
ट् का ण्	षट् + मास = षण्मास
प् का म्	अप् + मल = अम्मल
त् का न्	सत्+मार्ग=सन्मार्ग

3. 'त्' सम्बन्धी नियम

(i) यदि त् के बाद च् या छ् हो तो त् का च् हो जाता है-

सत् + चरित्र = सच्चरित्र उत् + चरित = उच्चरित

(ii) यदि त् के बाद ज् या झ् हो तो त् का ज् हो जाता है-

सत् + जन = सज्जन उत् + ज्वल = उज्ज्वल

(iii) यदि त् के बाद ट् या ठ् हो तो त् का ट् हो जाता है-

तत् + टीका= तट्टीका वृहत् + टीका = वृहट्टीका

(iv) यदि त् के बाद ड् या ढ् हो तो त् का ड् और ल् हो तो त् का ल् हो जाता है-

उत् + डयन = उड्डयन तत् + लीन = तल्लीन

(v) यदि त् के बाद श् आए तो त् का च् तथा श् का छ् हो जाता है-

उत् + श्वास = उच्छ्वास सत् + शास्त्र = सच्छास्त्र

(vi) यदि त् के बाद ह आए तो त् का द् तथा ह का ध् हो जाता है-

उत् + हार = उद्धार उत् + हरण = उद्धरण

अभ्यास प्रश्न- निम्न शब्दों की सन्धि करिए-

दिक् + गज, अप् + ज, दिक् + अम्बर,
षट् + आनन, सत् + मार्ग, जगत् + नाथ,
उत् + ज्वल, अच् + अन्त, अप् + मल।

निम्न शब्दों का सन्धि विच्छेद करिए-

उन्नति, जगन्नाथ, कबन्ध,
षटानन, सच्चरित्र, सज्जन,
तल्लीन, सन्मार्ग, विच्छेद।

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक

मिशन शिक्षण संवाद

प्राथमिक स्तर

विषय- हिन्दी

क्रमांक- 029

प्रकरण- अनुच्छेद

अनुच्छेद- 1

वर्तमान काल विज्ञापन का युग माना जाता है। समाचार-पत्रों के अतिरिक्त रेडियो तथा टेलीविज़न भी विज्ञापन के सफल साधन हैं। विज्ञापन का मूल उद्देश्य उत्पादक और उपभोक्ता में सीधा संपर्क स्थापित करना होता है। जितना अधिक विज्ञापन किसी पदार्थ का होगा, उतनी ही उसकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इन विज्ञापनों पर धन तो अधिक व्यय होता है, पर इससे बिक्री बढ़ जाती है। ग्राहक जब इन आकर्षक विज्ञापनों को देखता है तो वह वस्तु-विशेष के प्रति आकृष्ट होकर उसे खरीदने के लिए बाध्य हो जाता है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्रश्न 1.विज्ञापन का मूल उद्देश्य उत्पादक और उपभोक्ता में -----सम्पर्क स्थापित करना होता है।

A. सीधा B. नहीं
C. बिल्कुल नहीं D. डर कर

प्रश्न 2. विज्ञापन देने से क्या लाभ होता है?

A. कोई फर्क नहीं पड़ता है।
B. बिक्री घट जाती है।
C. बिक्री बढ़ती है।
D. लोकप्रियता घटती है।

प्रश्न 3. विज्ञापन का ग्राहक पर क्या प्रभाव पड़ता है?

A. उस वस्तु-विशेष के प्रति रुचि बढ़ जाती है।
B. कोई फर्क नही पड़ता है।
C. बिक्री घट जाती है।
D. खरीदने के लिए बाध्य नही होता है।

प्रश्न 4. 'व्यय' का विलोम शब्द क्या होगा?

A. अपव्यय B. मितव्यय
C. आय D. अल्पव्यय

प्रश्न 5. विज्ञापन के कौन-कौन से साधन हैं?

A. समाचार पत्र B. रेडियो
C. टेलीविजन D. सभी

अनुच्छेद- 2

स्वतन्त्र भारत का सम्पूर्ण दायित्व आज विद्यार्थियों के ही ऊपर है; क्योंकि आज जो विद्यार्थी हैं, वे ही कल स्वतन्त्र भारत के नागरिक होंगे। भारत की उन्नति और उसका उत्थान उन्हीं की उन्नति और उत्थान पर निर्भर करता है। अतः विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने भावी जीवन का निर्माण बड़ी सतर्कता और सावधानी के साथ करें। उन्हें प्रत्येक क्षण अपने राष्ट्र, अपने समाज, अपने धर्म, अपनी संस्कृति को अपनी आँखों के सामने रखना चाहिए ताकि उनके जीवन से राष्ट्र को कुछ बल प्राप्त हो सके। जो विद्यार्थी राष्ट्रीय दृष्टिकोण से अपने जीवन का निर्माण नहीं करते, वे राष्ट्र और समाज के लिए भार स्वरूप होते हैं।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्रश्न 1. भारत की प्रगति किस पर निर्भर करती है?

A. डॉक्टर B. विद्यार्थी
C. समाज D. धर्म

प्रश्न 2. विद्यार्थी का पर्यायवाची क्या नहीं है?

A. शिष्य B. छात्र
C. क्षात्र D. शागिर्द

प्रश्न 3. जो विद्यार्थी अपने जीवन का निर्माण राष्ट्रीय दृष्टिकोण से नहीं करते हैं, वे समाज व राष्ट्र के लिए _____स्वरूप होते हैं।

A. मित्र B. भार
C. मिशाल D. सम्मान

प्रश्न 4. स्वतन्त्र का विलोम शब्द क्या है?

A. परतन्त्र B. प्रजातन्त्र
C. मन्त्र D. मुक्त

प्रश्न 5. विद्यार्थी को प्रत्येक _____अपने राष्ट्र, अपने समाज, अपने धर्म, अपनी संस्कृति को अपनी आँखों के सामने रखना चाहिए ताकि उनके जीवन से राष्ट्र को कुछ बल प्राप्त हो सके।

A. क्षण B. दिन
C. समय D. जब समय मिले

विषय- हिन्दी भाषा

वर्किंग टीम

मीनाक्षी (इ0प्र0अ0)
फतेहपुर

शंखधर द्विवेदी (स0अ0)
प्रयागराज

रीना (स0अ0)
झांसी

शुचि वार्ष्णेय (स0अ0)
संभल

रेनू अग्रवाल (स0अ0)
मथुरा

पूनम गुप्ता (स0अ0)
अलीगढ़

रिंकी गुप्ता (स0अ0)
गाजियाबाद